दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 334 | जयपुर, रविवार, 12 नवंबर, 2023 | कार्तिक, कृष्ण पक्ष- चतुर्दशी-अमावस्या, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

नकली दूध: जनता की हेल्थ का क्या!

सफेद जहर उगल रहे सोसाइटी के सांप

विनायक शर्मा

आचार संहिता के चलते प्रशासन की कमान चुनाव आयोग के पास, चुनाव के चलते सभी सत्तारूढ़ और विपक्षी नेता मौन। ऐसे खुली हो गई पुलिस ने चाहा जिसे आरोपी बनाया, जिसे चाहा उसे बख्श दिया। बात कर रहे हैं, सिंथेटिक दूध और मावे की। जी हां, त्योहार के दिनों में बाजारों में ये धड़ल्ले से सप्लाई भी हो रहे हैं। हजारों बाशिंदे इनका सेवन भी कर रहे हैं। अब देखें, मेवात इलाके की कैथवाड़ा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित एक फैक्ट्री में सिंथेटिक दूध बनने की 'सूचना' पर डीग जिले कैथवाड़ा और दौसा जिले के बांदीकुई व बैजुपाड़ा इलाके में संचालित डेयरी के तीन बीएमसी (बल्क मिल्क कूलर) पर छापा मारकर 50 हजार लीटर नकली दूध पकड़ा। इनके नमूने लिए, जिनमें माल्टोज, स्टार्च, सुक्रोज, गैलेक्टोज, अमोनिया, कार्बोहाइड्रेट, डिटर्जेंट, फ्रुकटोज, सॉर्बिटोल जैसे केमिकल्स की मिलावट पाई गई। एक दर्जन संदिग्ध डिटेन भी किए। उम्मीद जगी कि होगी सख्त कार्रवाई, मिलावटियों को मिलेगी कड़ी सजा। लेकिन, हुआ यह कि पुलिस ने दो मजदूरों को आरोपी बनाया, बाकी को छोड़ दिया, क्यों? यह तो वही जाने। अलबत्ता, यह तय है कि बगैर संचालकों की जानकारी के श्रमिक इतने बड़े अपराध को अंजाम देकर हजारों निर्दोष उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर ही नहीं सकते। पता है, जिन तीन बीएमसी पर छापे पड़े, नकली दूध साबित हुआ, वहां से जयपुर डेयरी को रोजाना 50 हजार लीटर दूध आपूर्त हो रहा था। जाहिर है, खपत भी हो रहा था, जयपुर डेयरी की थैलियों में भरकर जयपुर वालों के घरों तक, पेट तक भी पहुंचा होगा।

खैर, इस कार्रवाई से यह तो जगजाहिर है कि प्रदेश में हजारों नहीं तो सैकड़ों ऐसे नकली दूध, पनीर और मावा बनाने के कारखाने चल रहे होंगे। अब तो त्योहार का सीजन है, इनकी तादाद दुगनी-तिगुनी भी हो गई होगी। क्योंकि, एक किलो दूध से सिर्फ 200 ग्राम मावा ही बन सकता है। लिहाजा बनाया जाता है मिलावटी मावा। इसे बनाने में अक्सर शकरकंदी, सिंघाड़े का आटा, आलू और मैदे का इस्तेमाल होता है। नकली मावा बनाने में स्टार्च, आयोडीन और आलू इसलिए मिलाया जाता है, ताकि मावे का वजन बढ़े। यानी, खुलकर खेल चल रहा है।

नावाकिफ कोई नहीं, फिर भी कहीं जूं तक नहीं रेंगी। वर्ना, इन छापों के बाद तो आमजन की जिंदगी पर भारी पड रहे मिलावटखोरों पर कार्रवाई की झड़ी लग जानी चाहिए थी। यह तो सीधा-सीधा जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। सिंथेटिक दूध, मावा, पनीर आदि के सेवन से कई घातक रोग, यहां तक कि मौत भी हो सकती है। ऐसे अपराध पर रोक लगे, जो अधिकारी चंद स्वार्थों के कारण इसकी अनदेखी कर रहे हैं, या इसे प्रश्रय दे रहे हैं, वे भी समझें... बस्ती जलेगी तो आग उनके घर को भी नहीं बख्शेगी, क्योंकि आग के आंख नहीं होती।

@ विद्याधर नगर स्टेडियम

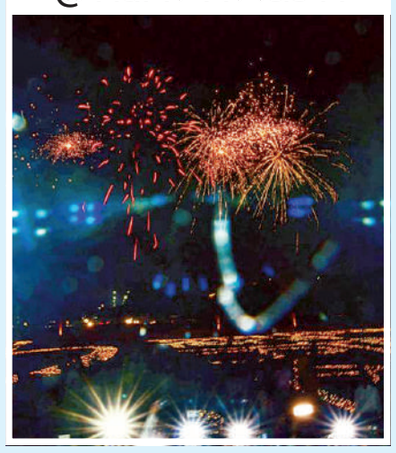

लक्ष्मी पूजन का सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त सायं 5.34 से रात्रि 8.08 बजे तक

सीएम ने 1.56 लाख दीपकों के बीच मनाया दीपोत्सव

जयपुर। सुख समृद्धि का त्योहार दीपावली रविवार को पूरे देश में श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। लक्ष्मी पूजन के लिए सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त सायं 5.34 से रात्रि 8.08 बजे तक प्रदोष काल का है। श्रीमहालक्ष्मी पूजन प्रदोष युक्त अमावस्या को स्थिर लग्न व स्थिर नवमांश में किया जाना श्रेष्ठ होता है। ज्योतिषाचार्य पंडित युगल किशोर शास्त्री ने बताया कि सायंकाल 05.34 से रात्रि 10.34 तक शुभ, अमृत, चर के रहेंगे। इसके बाद लाभ का रात्रि 01.50 बजे से 03.29 तक और प्रातः 05.08 बजे से 06.48 बजे तक शुभ का चौघड़िया रहेगा।

सीएम ने दी दिवाली की शुभकामनाएं: मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने छोटी दिवाली पर विद्याधर नगर स्टेडियम दीपोत्सव मनाया। इस दौरान 1.56 लाख दीप प्रज्वलित किए गए। इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेशवासियों को दीपावली की बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी।

विधानसभा चुनाव: तोड़फोड़, झड़प व एफआईआर से बढ़ी आक्रामकता

टकराव से तीखा हो रहा प्रचार... बढ़ रही तल्खी

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान का चुनाव इस बार यूपी बिहार की तर्ज पर आक्रामकता लेता जा रहा है। प्रत्याशियों के बीच राजनीतिक से अधिक व्यक्तिगत टकराव दिखाई दे रहा है, जिसमें वाहनों में तोड़फोड़, झड़प और एक-दूसरे के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज करने की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। मेहंदीपुरबालाजी में मंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी ममता भूपेश के काफिले को रोक उनकी गाड़ी पर पथराव किया गया और नारेबाजी की गई। भूपेश ने कहा कि भाजपा इस स्तर तक गुंडागर्दी पर उतर आई है।

वैसे, इस शांत प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान तल्खी कम ही नजर आती है, लेकिन इस बार कई क्षेत्रों में आपसी वैमनस्य दर्शाती घटनाएं होने लगी हैं। सवाई माधोपुर से कांग्रेस प्रत्याशी दानिश अबरार और भाजपा के डॉ. किरोड़ी लाल के समर्थकों में भी झड़प हो चुकी है। अबरार ने चुनाव आयोग में शिकायत की है कि उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ व उन पर हमला किया।

शनिवार को मेहंदीपुर बालाजी में ममता भूपेश के काफिले पर पथराव और नारेबाजी

बागियों के ताल ठोकते ही गरमाई सियासत

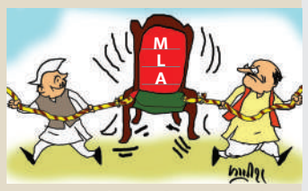

कांग्रेस, भाजपा सहित अन्य दलों के प्रत्याशियों की एक के बाद एक सूची जारी होने के बाद ही चुनाव प्रचार रंग जमाने लगा था, लेकिन अब निर्दलीय, कहें बागी प्रत्याशियों के मैदान में उतरने से इलाकाई सियासत गरमाने लगी है, जिससे बढ़ती तल्खी रंग दिखा रही है। दरअसल, कांग्रेस और भाजपा में रूठों को मनाने की तमाम कोशिशों के बाद भी कई वर्तमान और पूर्व विधायक बागी होकर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में मोर्चा खोले हुए हैं। इसके कारण क्षेत्र में दोनों ही पार्टियों में दो फाड़ के साथ असली कौन? की लड़ाई शुरू हो गई है। इसके कारण दोनों पार्टियों के अधिकृत प्रत्याशियों को चुनाव प्रचार के दौरान दूसरे गुट का विरोध झेलना पड़ रहा है, यहां तक की उन्हें काले झंडे भी दिखाए जा रहे हैं।

आरोप पहुंचे गोहत्या तक... एफआईआर

राजधानी जयपुर के आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी रवि नैय्यर ने आरोप लगाया कि उनके चुनाव कार्यालय में रह रही गायों को मार दिया गया। उन्होंने गोहत्या का आरोप लगाकर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। नैय्यर अप्रत्यक्ष रूप से यहां से कांग्रेस प्रत्याशी रफीक खान पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि उनके वाहन में भी तोड़फोड़ की जा चुकी है।

करौली में पीछा करने की शिकायत

करौली के बसपा प्रत्याशी रविंद्र मीणा ने कांग्रेस प्रत्याशी पर आरोप लगाया कि उनके समर्थकों के उनके वाहनों का पीछा किया और आगे वाहन लगाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया। ऐसे विवाद न सिर्फ करौली, बल्कि दर्जनभर क्षेत्रों से सामने आए हैं, जिनमें समर्थकों के बीच झड़प तक बात पहुंच चुकी है।

बागियों के समर्थक बने सिरदर्द

प्रदेश में इस बार जयपुर जिले की झोटवाड़ा, विद्याधर नगर, आदर्श नगर, किशनपोल, मालवीय नगर में तो बागियों का साया पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के प्रचार पर पड़ ही रहा है। वहीं, डीडवाना, लाडपुरा, शाहपुरा (भीलवाड़ा), बस्सी, चित्तौड़गढ़, सांचौर, शिव आदि सीटों पर भाजपा को, तो सरदारशहर, हिंडौन सिटी, शाहपुरा (जयपुर), राजगढ़-लक्ष्मणगढ़, नगर, सिवाना आदि क्षेत्रों सहित कई अन्य सीटों पर भी टिकट के अधिकृत प्रत्याशियों और बागी नेताओं के समर्थकों के चुनाव प्रचार के दौरान परस्पर विरोध प्रदर्शन के नजारे दिख रहे हैं।

नामांकन पत्रों की कमियों पर भी वार-पलटवार

इसके साथ ही इस बार प्रत्याशियों के नामांकन पत्र में तथ्य छिपाने को लेकर शिकायतों का भी चुनाव आयोग के सामने अंबार लग गया है। प्रदेश में दो दर्जन से अधिक प्रत्याशियों के खिलाफ नामांकन पत्र में तथ्यों को छिपाने के संबंध में शिकायतें तो हुई ही हैं, परस्पर हो रही बयानबाजी भी दिन-ब-दिन तीखी होती जा रही है। बता दें, मुख्यमंत्री के नामांकन में तथ्य छिपाने की शिकायत के साथ ही छींटाकशी भी सियासी माहौल को गरमा रही है। बहरहाल, प्राय: इस शांत सूबे में शत्रुता की हद तक का इतना सियासी तीखापन पहले कभी नहीं देखा गया।

वर्दी शर्मसार: DGP के सख्त आदेश

बच्ची का बलात्कारी SI गिरफ्तार... बर्खास्त

बेधड़क | जयपुर

दौसा में चार साल की मासूम बच्ची से दरिंदगी करने का आरोपी एसआई को गिरफ्तारी के बाद बर्खास्त कर दिया गया है। डीजीपी उमेश मिश्रा ने आरोपी सब इंस्पेक्टर को बर्खास्त करने के आदेश दिए थे। इससे पहले एसपी दौसा ने इस मामले में अपनी रिपोर्ट आईजी को भेज दी थी। दूसरी ओर, इस घटना को लेकर सियासत शुरू हो गई है।

पुलिस के अनुसार दौसा जिले में एक सब इंस्पेक्टर ने अपने पड़ोस में रहने वाली चार साल की बच्ची के साथ दरिंदगी की थी। वर्दी को शर्मसार करने वाली इस घटना की खबर फैलते ही एक तरह जहां जिले की जनता आक्रोशित हो गई, वहीं पुलिस ने भी तत्काल एक्शन लेते हुए आरोपी सब इंस्पेक्टर भूपेंद्र सिंह को अरेस्ट कर लिया।

सरकार पर कुशासन का आरोप

इस घटना के बाद बीजेपी लगातार हमलावर बनी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि बीते पांच वर्षों में कांग्रेस ने प्रदेश में कुशासन किया है। इसके चलते राज्य में बेटियों के साथ दरिंदगी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। उन्होंने कहा कि दौसा की घटना ने राज्य का मस्तक शर्म से झुका दिया है।

चॉकलेट के बहाने बुलाया: इससे पहले दौसा पुलिस ने आरोपी सब इंस्पेक्टर के खिलाफ रेप और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में केस दर्ज करते हुए उसे अरेस्ट किया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। मासूम बच्ची शुक्रवार की शाम को घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान आरोपी एसआई भूपेंद्र सिंह ने उसे चॉकलेट देने के बहाने कमरे में बुलाया और फिर उसके साथ दरिंदगी की। बाद में बच्ची ने अपनी मां को घटना की जानकारी दी थी।

बायतु में पीएम मोदी 15 को और राहुल गांधी 17 को करेंगे सभा

बेधड़क | जयपुर

चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी 15 नवंबर को बायतु आएंगे। राहुल गांधी की भी बायतु में 17 को सभा होगी। बाड़मेर-जैसलमेर जिले की 9 सीटों में से बायतु हॉट सीट बन गई है। यहां एक सप्ताह में भाजपा-कांग्रेस के दोनों बड़े नेता चुनावी सभा करेंगे। बायतु सीट से पूर्व राजस्व मंत्री एवं कांग्रेस के पंजाब प्रभारी हरीश चौधरी कांग्रेस प्रत्याशी हैं, जबकि भाजपा ने बालाराम मूंढ को प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा यहां आरएलपी लगातार दूसरी बार भाजपा-कांग्रेस को टक्कर दे रही है।

ये भी देखें...

7 करोड़ 58 लाख की नकदी लौटाई
पेज-2

प्रभु श्रीराम के स्वागत को तैयार शहर
पेज-3

चुनावी मैदान में महज 10 फीसदी महिलाएं
पेज-5

अवकाश की सूचना

दीपोत्सव के अवसर पर 12 और 13 नवंबर को सच बेधड़क कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 15 नवंबर 2023 को प्रकाशित होगा। ■ संपादक

महंगी सरकारी हवाई यात्राएं

चार साल में विमान किराए पर खर्च कर दिए 95 करोड़ रुपए

- इतनी राशि में तो सरकार खरीद लेती तीन विमान और हेलिकॉप्टर
- सरकार की अधिकतर यात्राएं जयपुर-दिल्ली के बीच रही
- इनमें सिर्फ दस प्रतिशत यात्राएं ही राज्यपाल की थीं

ओम प्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। राज्य सरकार ने 5 साल में हवाई यात्राओं के किराए पर 95 करोड़ रुपए खर्च कर दिए। पड़ताल में सामने आया कि अधिकतर हवाई यात्राएं जयपुर से दिल्ली के बीच की रही। हाल ही में नागरिक उड्डयन विभाग ने इस संबंध में विधानसभा को एक रिपोर्ट दी है, जिसमें ये तथ्य सामने आए हैं। सरकार ने विमान कंपनियों को जितनी राशि का भुगतान किया है, उस राशि में तो सरकार खुद के तीन चार्टर विमान और हेलिकॉप्टर की खरीद कर सकती थी।

तीन पुराने विमान कर दिए थे नीलाम

राजस्थान सरकार के पास पहले से तीन चार्टर विमान और हेलिकॉप्टर थे। एक्सपर्ट रिपोर्ट में बताई गई तकनीकी खामियों और उनके पुराने हो जाने पर उनको पिछले साल उनको नीलाम कर दिया गया। सरकार इन पर तीन साल में उनके संचालन व रखरखाव पर ही 6 करोड़ रुपए की राशि खर्च कर चुकी थी। ऐसे में सरकार ने इनको नीलाम कर देना ही उचित समझा गया।

इनकी वर्षों पूर्व की थी खरीद

सरकार ने वर्ष 1989 में किंग एयर सी-90 की 2.74 करोड़ रुपए की राशि खरीद की थी। इसके बाद वर्ष 2005 में अगस्ता 109ई 20.05 करोड़ रुपए और फिर किंग एयर बी-200 की वर्ष 2006 में 24.07 करोड़ रुपए में खरीद की थी। तीनों को ही सरकार के आदेश पर नागरिक उड्डयन विभाग ने नीलाम कर दिया।

साढ़े चार साल में लगा किराया

वर्ष	चार्टर विमान	हेलिकॉप्टर
जनवरी से मार्च 2018	1.88 करोड़	1.69 करोड़
2018 से 2019	11.85 करोड़	8.10 करोड़
2019 से 2020	9.24 करोड़	8.04 करोड़
2020 से 2021	1.90 करोड़	6.12 करोड़
2021 से 2022	4.56 करोड़	2.62 करोड़
2022 से 2023	19.88 करोड़	11.49 करोड़
मार्च 2023 से जून 2023 तक	2.90 करोड़	4.96 करोड़

भाजपा सरकार की निविदा में थे बड़े मानदंड

बता दें, इस बीच 2017 में तत्कालीन भाजपा सरकार ने 8 करोड़ के किराए पर विमान लेने का फैसला किया था, लेकिन उसकी शर्तों को लेकर विवाद बढ़ता देख सरकार को वो टेंडर ही रद्द करना पड़ा था। सूत्रों के अनुसार कोई भी विमानन कंपनी सरकार के तय मानदंडों के मुताबिक जेट विमान देने को तैयार नहीं थी।

जरूरी खबर

हत्या के मामले में फरार इनामी आरोपी गिरफ्तार

बेधड़क,जयपुर। पुलिस मुख्यालय की सीआईडी क्राइम ब्रांच टीम ने मर्डर के मामले में 50 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। एडीजी क्राइम दिनेश एमएन के निर्देशन में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। शनिवार को सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड से तीन साल से फरार गैंगस्टर वरुण चौधरी को डिटेन करके अजमेर पुलिस को सुपुर्द किया है। आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट समेत दर्जनों मुकदमे अजमेर, भरतपुर, नागौर और दिल्ली में दर्ज हैं। आरोपी प्रदेश के 10 सर्वाधिक वांटेड अपराधियों में भी शामिल हैं।

आरोग्य सप्ताह संपन्न, धन्वंतरि पूजन किया

बेधड़क, जयपुर। शासन सचिवालय स्थित आयुर्वेद औषधालय में आरोग्य सप्ताह का समापन कार्यक्रम एवं धन्वंतरि पूजन किया गया। जिसमें कार्मिक विभाग के संयुक्त शासन सचिव मुकुट बिहारी जांगिड़ विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. निरंजन पारीक ने आरोग्य सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। स्वास्थ्य जागरूकता के प्रसार के साथ ही सचिवालय शिव मंदिर परिसर में औषधीय पौधे नीम, तुलसी, बील के पौधे भी लगाए गए। इस अवसर पर डिस्पेंसरी के अन्य चिकित्सक और नर्सिंग कर्मी भी मौजूद रहे।

सूर्यकांता व्यास को शेखावत ने दी दिवाली की बधाई

बेधड़क,जयपुर। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शनिवार को रूप चौदस पर जोधपुर की भीतरी गलियों में पैदल निकले और सभी से दिवाली की रामा श्यामा की। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री शेखावत वरिष्ठ भाजपा नेता विधायक सूर्यकांता व्यास जीजी के निवास पहुंचे। जहां विधायक व्यास ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। वहीं शेखावत ने सूर्यकांता व्यास को दिवाली की बधाई दी। इस दौरान राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, शहर प्रत्याशी अतुल भंसाली, सूरसागर प्रत्याशी देवेंद्र जोशी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोहरे के साथ बढ़ा सर्दी का जोर, जयपुर के तापमान में तीन डिग्री तक गिरावट

कई जिलों में बारिश के बाद लुढ़का पारा, श्रीगंगानगर@12.8 डिग्री

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में दीपावली के साथ-साथ सर्दी ने भी दस्तक दे दी है। शनिवार को राजधानी सहित प्रदेश के कई जिलों में हल्की बरसात हुई। इससे उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं का असर तापमान पर दिखाई दिया। शुक्रवार रात से ही तापमान में गिरावट होना शुरू हो गई थी।

शनिवार सुबह मौसम में ठंडक के साथ कोहरा भी देखने को मिला। शहर के ग्रामीण इलाकों में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। जिसके कारण सड़क पर दृश्यता करीब 200 मीटर रही। कोहरे से विजिबिलिटी कम होने के कारण वाहन चालकों को सुबह गाड़ियों

की हेडलाइट ऑन करके चलानी पड़ी। जोबनेर, दिल्ली बाइपास, सीकर रोड समेत कई जगह सुबह-सुबह हल्की सर्द हवाएं भी चलीं, जिससे यहां लोगों को हल्की ठिठुरन महसूस हुई। सुबह 10 बजे बाद धूप खिलने पर कोहरा कम हुआ। मौसम विभाग का अनुमान है कि पहाड़ों में हो रही बर्फबारी और उत्तरी हवाओं के आने के कारण अब तापमान में गिरावट होगी। आने वाले सप्ताह में सर्दी और बढ़ने की संभावना है।

अभी और गिरेगा तापमान

जयपुर मौसम केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में अब अगले तीन-चार दिन मौसम साफ रहेगा और उत्तर भारत से ठंडी हवाएं आएगी, जिससे यहां न्यूनतम तापमान में भी थोड़ी और गिरावट देखने को मिलेगी। दिन में मौसम साफ रहने से धूप निकलेगी, जिससे अधिकतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी होगी। गंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर, अलवर, सीकर समेत कुछ शहरों में सुबह- शाम हल्की सर्द हवाएं चलेंगी।

4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट

बीते 24 घंटे में जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर के एरिया में भी मिनिमम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट हुई। इन शहरों में रात का तापमान गिरकर 15 डिग्री सेल्सियस तक आ गया। गंगानगर, चूरू, हनुमानगढ़ के एरिया में कोहरा घना होने के कारण विजिबिलिटी भी 200 से 300 मीटर ही रह गई। गंगानगर में आज का न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो शहर का इस सीजन का सबसे कम तापमान रहा। चूरू, उदयपुर, फतेहपुर में भी आज तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। वहीं राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इससे पहले जयपुर शहर में दोपहर बाद आसमान में बादल छाए और देर शाम को कुछ जगह हल्की बूंदाबांदी भी हुई। इसके साथ गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, अलवर, जैसलमेर, नागौर, जोधपुर में कोहरा छाया।

निर्वाचन विभाग ने अब तक 282 अपील का किया निस्तारण

सीज की गई 7 करोड़ 58 लाख की वस्तुएं और नकदी लौटाई

बेधड़क | जयपुर

निर्वाचन विभाग के निर्देश पर प्रदेश में विभिन्न एनफोर्समेंट एजेंसियों ने आदर्श आचार संहिता लागू होने बाद सीजर की कार्रवाई शुरू की थी। विधानसभा चुनाव में धनबल के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए विशेष निगरानी की जा रही है।

एनफोर्समेंट एजेंसियों ने जांच के दौरान करोड़ों रुपए की नकदी और कीमती सामग्री जब्त की थी, इसमें से सात करोड़ 58 लाख रुपए की कीमती सामग्री और नकदी विभाग ने लौटा दी है। अब तक 282 प्रकरणों का जिला स्तरीय समितियों की ओर से निस्तारण किया गया है। FST और SST द्वारा सीजर की कार्रवाई के दौरान अपील के बारे में भी जानकारी दी जाती है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि एफएसटी, एसएसटी, पुलिस सहित प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा सीज की गई 7 करोड़ 58 लाख 42 हजार 948 रुपए की नकदी और अन्य कीमती सामग्री अब तक अपील प्रकरणों का निस्तारण कर मुक्त की गई हैं। उन्होंने बताया कि जिला परिषद सीईओ, जिला कोषागार अधिकारी (टीओ) और संयोजक के रूप में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण के नोडल अधिकारी की तीन सदस्यीय अपीलीय समितियां जिलों में गठित की गई हैं। इन समितियों में अब तक 415 अपील प्राप्त हुई हैं।

■ एफएसटी और एसएसटी ने की थी जब्ती की कार्रवाई

आमजन को असुविधा से बचाने के निर्देश

गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश के अनुसार, चुनाव आचार संहिता के दौरान एफएसटी, एसएसटी अथवा पुलिस द्वारा अवैध नकदी सहित अवैध सामग्री के परिवहन पर की गई कार्रवाई के दौरान आम जनता तथा सही व्यक्तियों को असुविधा से बचाने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान नकदी और अन्य वस्तुओं की जब्ती और रिलीज के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) निर्धारित की गई है। सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्वाचन विभाग की ओर से इस संबंध में निर्देशित किया गया है।

राशि सही तो तुरंत मिलेगा पैसा

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यह समितियां पुलिस, एसएसटी या एफएसटी द्वारा की गई जब्ती के प्रत्येक मामले की स्वतः जांच करती हैं। उन्होंने कहा कि यदि जब्त की गई राशि के संबंध में कोई प्राथमिकी या शिकायत दर्ज नहीं की गई है या जब्त राशि किसी राजनीतिक दल या किसी निर्वाचन अभियान इत्यादि से जुड़ी हुई नहीं है, तो ऐसी नकदी रिलीज करने के बारे में आदेश जारी करने के लिए समिति तत्काल कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि जिला शिकायत समिति को ऐसे मामलों पर बिना देरी किए निर्णय करना होता है और यदि कोई एफआईआर अथवा शिकायत दर्ज नहीं की गई है तो जब्त की गई नकदी या कीमती सामान से संबंधित मामले को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में, मतदान की तारीख के बाद सात दिनों से अधिक समय तक मालखाना या कोषागार में ऐसे मामले लंबित नहीं रखे जाएंगे।

शिकायत के लिए जारी किए टोल फ्री नम्बर

उन्होंने बताया कि यह रिटर्निंग अधिकारी का उत्तरदायित्व है कि ऐसे सभी मामलों को अपीलीय समिति के समक्ष प्रस्तुत करें और अपीलीय समिति के आदेशानुसार नकदी एवं बहुमूल्य वस्तुओं को रिलीज करें। इस संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत अथवा समस्या के लिए राज्य स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम में टोली फ्री नंबर 1800180001950 अथवा फोन नं. 0141-2227550 पर संपर्क किया जा सकता है।

भाजपा में शामिल हुए अन्य दलों के नेता

बैरवा, तंवर और मेहता सहित कईयों ने जॉइन की बीजेपी

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव से पहले से जारी भाजपा में अन्य दलों के नेताओं को जॉइन करवाने का अभियान-सा चल रहा है। रोजाना भाजपा कार्यालय से किसी अन्य दल के नेता, समर्थकों आदि के पार्टी में शामिल होने की खबर आ रही है। कांग्रेस सहित अन्य दलों के नेता भाजपा का दामन थाम रहे है। यह सिलसिला शनिवार को भी जारी रहा, जब कांग्रेस के पूर्व मंत्री रामगोपाल बैरवा, चाकसू के पूर्व विधायक अशोक तंवर, कोटा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष पंकज मेहता, टोंक में सोडा की सरपंच

छवि राजावत अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, झोटवाड़ा से भाजपा प्रत्याशी कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक नारायण पंचारिया ने सभी को पार्टी का दुपट्टा ओढाकर सदस्यता ग्रहण करवाई।

आचार संहिता पालन की अपील

बेधड़क,जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने शासन सचिवालय में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर निर्वाचन प्रक्रिया के बारे में चर्चा की है।

बैठक में गुप्ता ने कहा कि राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को भाषा, धर्म एवं जाति के आधार पर नफरती प्रचार प्रसार से बचते हुए अपने चुनाव अभियान का संचालन करना चाहिए। मत प्राप्त करने के लिए जाति अथवा सम्प्रदाय के नाम पर अपील जारी नहीं करें और न ही धार्मिक स्थानों को अपने चुनावी प्रचार का मंच बनाएं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाताओं को घूस, शराब आदि प्रलोभन देने से सभी अभ्यर्थी और राजनीतिक दल दृढ़तापूर्वक परहेज करें।

उन्होंने निर्वाचन को प्रभावित करने के लिए फर्जी मतदान, मतदाताओं को डराने-धमकाने जैसी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त नहीं होने की अपील भी की।

अशोक बैरवा बोले-कांग्रेस के लिए करूंगा प्रचार

टोंक में बसपा प्रत्याशी ने दिया सचिन पायलट को समर्थन

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में टोंक से बसपा प्रत्याशी अशोक बैरवा ने शनिवार को कांग्रेस प्रत्याशी सचिन पायलट को अपना समर्थन दे दिया है। बैरवा भीम सेना के जिलाध्यक्ष भी हैं।

अशोक बैरवा ने पायलट के साथ खड़े होकर कहा कि मैं नामांकन वापस लेने के दिन ही नाम वापस लेना चाहता था, लेकिन उस दिन देर हो गई। आज से मैं पायलट का प्रचार करूंगा। बैरवा ने कहा कि मैं इनकी विचारधारा से बड़ा प्रभावित हूं।

वहीं बैरवा के समर्थन पर सचिन पायलट ने कहा कि अशोक बैरवा दलित परिवार से आते हैं, मैं इनका स्वागत करता हूं, उम्मीद करता हूं की इनके आने से हमें और बल मिलेगा।

उन्होंने ने कहा कि अशोक बैरवा की उम्मीदों को हम पूरा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि ये अच्छी बात है कि सब लोगों का समर्थन मिल रहा है। पायलट ने दीपावली के मौके पर सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि मैंने सबसे पहले अपने क्षेत्र में प्रचार पर जोर दिया है। बैरवा ने कहा कि जितना ज्यादा हो सके मैं अपने क्षेत्र को समय देना चाहता हूं।

आबू-पिंडवाड़ा के शेरगांव में वोटिंग की सुविधा

कई दुर्गम क्षेत्रों में बनेंगे मतदान केन्द्र

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 में दुर्गम, दूरदराज और कम आबादी वाले क्षेत्रों में भी निर्वाचन विभाग द्वारा मतदान केन्द्र बनाए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि कोई भी मतदाता मतदान केन्द्र तक पहुंच नहीं पाने के कारण मताधिकार से वंचित न रहे, इस दिशा में निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विशेष तैयारियां की गई हैं। गुप्ता ने बताया कि सिरोही जिले के आबू-पिंडवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 4921 फीट की ऊंचाई पर स्थित शेरगांव के मतदाता इस

वर्ष पहली बार अपने ही गांव में मतदान कर पाएंगे। मतदान दल फोरेस्ट गार्ड की मदद से घने जंगल में करीब 18 किलोमीटर तक पगडंडियों पर पैदल चल कर इस मतदान केन्द्र तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि यहां 117 मतदाताओं के लिए मतदान केन्द्र बनाया गया है।

पहले शेरगढ़ के मतदाताओं को वोट देने के लिए दूरदराज के एक और उतरज गांव में मतदान केन्द्र तक आना होता था। इस बार, उतरज गांव में 238 मतदाताओं के लिए मतदान केन्द्र बनाया जाएगा। वहीं बाड़मेर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब स्थित बाड़मेर का पार गांव में महज 35 मतदाताओं के लिए मतदान केन्द्र बनाया जा रहा है। बाड़मेर जिले के ही एक अन्य गांव मंझोली में 49 मतदाताओं के लिए पहली बार मतदान केंद्र बनाया जा रहा है। इस बार इस गांव के मतदाताओं को वोट देने के लिए पांच किमी दूर नहीं जाना पड़ेगा। कांटल का पार गांव में 50 मतदाताओं के लिए मतदान केन्द्र बनाया जा रहा है। गुप्ता ने बताया कि जैसलमेर के मेनाउ मतदान केंद्र पर केवल 50 मतदाता हैं।

जारी रहेगी अर्थव्यवस्था की रफ्तार

शेयर बाजार: पिंगल संवत् देगा निवेशकों को मालामाल होने के अवसर

विमल कोठारी | बेधड़क

जयपुर। रविवार को दीपावली के साथ ही पिंगल संवत की शुरुआत हो गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति और राजस्व आंकड़ों के आधार पर यह माना जा रहा है कि अर्थव्यवस्था की यह रफ्तार जारी रहेगी।

ऐसी उम्मीद है कि पिंगल संवत भारत में निवेश करने वालों के लिए लाभ कमाने के अनेक अवसर उपलब्ध कराएगा। पिछले सप्ताह प्रकाशित लेख में मंदी के शिकार भारतीय शेयर बाजार में आशंका के बादल छंटने की उम्मीद बताई थी, जो इस सप्ताह

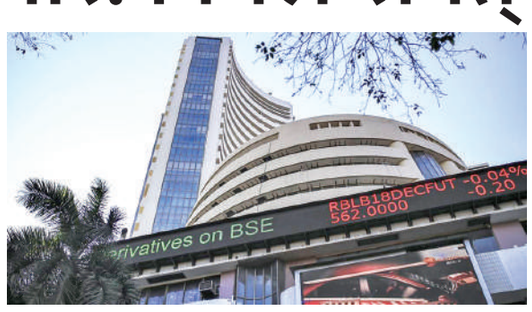

में सही साबित हुई और भारतीय कम्पनियों के बेहतर कार्य परिणामों के दम पर लगातार दूसरे सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में सुधार का रुख जारी रहा। उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय उठा-पटक, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, अमेरीकी फेडरेल बैंक की बैठकों से आने वाले संकेत व औचक घटनाओं के कारण बाजार में स्वभाविक रूप से उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन अर्थव्यवस्था की प्रगति को देखते हुए यह तय लगता है कि दीपावली और इसके बाद का समय भारतीय निवेशकों के लिए शुभ ही रहेगा।

पिछली दीपावली के बाद से अब तक बीएसई सूचकांक और निफ्टी में करीब 10 फीसदी की तेजी रही और बीएसई सूचकांक ने 67927.23 व निफ्टी ने 20222.45 अंकों का सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर भी छुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि निफ्टी सूचकांक जब तक 19400 अंकों को पार रहेगा, तब तक बाजार में मजबूती रहने का अनुमान लगाया जा सकता है।

दूसरे सप्ताह बाजार में सुधार का रुख

पिछले सप्ताह की बात करें तो 10 नवम्बर को समाप्त सप्ताह में लगातार दूसरे सप्ताह बाजार में सुधार का रुख रहा है। आंकड़ों की बात करें तो पिछले सप्ताह भी एफआईआई ने 3105.27 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचे, हालांकि इसका जवाब भारतीय संस्थागत निवेशक-डीआईआई दे रहे हैं, पिछले सप्ताह डीआईआई ने 4155.23 करोड़ रुपए के शेयरों की खरीद की है। आंकड़ों के अनुसार पिछले सप्ताह बीएसई सूचकांक में 540.90 अंक अर्थात 0.84 फीसदी की तेजी रही और बीएसई सूचकांक 64363.78 अंक से बढ़कर 64904.68 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई सूचकांक में 194.75 अंक अर्थात 1.01 फीसदी का सुधार रहा और एनएसई निफ्टी सूचकांक 19230.60 अंक से सुधर कर 19425.35 अंक पर बंद हुआ। उधर, बीएसई मिडकैप सूचकांक में पिछले सप्ताह 2.62 फीसदी का सुधार रहा, जबकि बीएसई स्कालकैप में 2.10 फीसदी की तेजी का रुख देखा गया। एनएसई मिडकैप-100 सूचकांक में भी पिछले सप्ताह 2.89 फीसदी की व एनएसई स्कालकैप-100 सूचकांक में 3.09 फीसदी की तेजी रही।

बन रहा निवेश का माहौल

इस सप्ताह में बाजार के रुख के बारे में कारोबारियों का कहना है कि भारतीय बाजारों में अनिश्चितता के बादल दूर होने के बाद निवेश का माहौल बन रहा है, लेकिन फिर भी नए निवेश के लिए निवेशकों को बाजार सेंटीमेंट पर नजर रखनी चाहिए। कारोबारियों का मानना है कि वर्तमान समय में दीर्घावधि के लिए मिडकेप शेयरों को अधिक सुरक्षित मानते हैं। इनका कहना है कि एनएमडीसी, जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा, ईएमएस, आरआर केबल, जैन इरिगेशन, भेल, वेदांता को सुरक्षित निवेश माना जा सकता हैं। लेकिन यदि किसी कारण से बाजार में सेंटीमेंट वीक रहेंगे तो अच्छे कहे जाने वाले शेयरों में भी गिरावट का रुख रह सकता है।

फोटो: राजेश कुमावत

प्रभु श्रीराम के स्वागत में जगमग शहर

शुभ दीपावली आज: घर-घर पधारेंगी महालक्ष्मी, दोपहर से देर रात तक पूजन के श्रेष्ठ मुहूर्त

बेधडक.जयपुर। दीपों के त्योहार दीपावली पर गुलाबीनगरी की धरा पर चांद-सितारे उतर आए। देश का प्रमुख सबसे बड़ा त्योहार रविवार को बडी धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर पूरा शहर रोशनी से जगमग हो उठेगा। घर-घर दीप जलाकर माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना की जाएगी। वहीं दियों की रोशनी से अमावस्या की रात रोशन होगी। वहीं, छोटी दिवाली पर बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। परकोटे के बाजारों में तो पैर रखने को भी जगह नहीं मिली। वहीं, अन्य इलाकों में भी लोग खरीदारी करने पहुंचे। वहीं, दिवाली के अवसर पर उद्योग जगत में भी रौनक बनी रही। ऑटो मोबाइल से लेकर सोना-चांदी की बम्पर बिक्री हुई। एक अनुमान के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 7500 करोड़ रुपए का व्यापार होना बताया है। इसमें सबसे ज्यादा सर्राफा व्यापार में सोना-चांदी खरीदे गए। वहीं, ऑटो मोबाइल और प्रॉपर्टी जगत में भी जमकर व्यापार हुआ।

धनलक्ष्मी के संग अष्ट लक्ष्मी का पूजन

दिवाली के अवसर पर महिलाओं ने घरों में मांडने मांड दिए हैं और लक्ष्मी के स्वागत के लिए घरों को फूल मालाओं से सजाया है। घरों और प्रतिष्ठानों में लक्ष्मी का पूजन होगा। घर-घर धन की देवी लक्ष्मी जी का स्वागत सत्कार किया जाएगा। धनलक्ष्मी के साथ अष्ट लक्ष्मी पूजन किया जाएगा। ज्योतिषिचार्य पंडित दामोदर शर्मा के मुताबिक आठ दिशाओं में मां लक्ष्मी के आठ स्वरूपों आद्य, विद्या, सौभाग्य, अमृत, काम, सत्य, भोग, योग लक्ष्मी की आराधना की जाएगी।

पर्यटक भी देखने पहुंचे सजावट

दीपावली की रोशनी की छटा देखने शहरवासियों के साथ देशी-विदेशी पर्यटक भी शहर में पहुंचे हैं। खासतौर पर परकोटे के चांदपोल, छोटी चौपड, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चोपड़, चोड़ा रास्ता सहित अन्य बाजारों में भी हो रही विशेष सजावट को निहारने लोग पहुंच रहे हैं। इस बार लोगों की सुविधा को देखते हुए रात्रि में 11 की जगह 12:30 बजे तक सजावट और रोशनी चालू रहेगी।

चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस की नजर

वहीं, दिवाली पर बाजारों में भीड़ को देखते हुए पुलिस आयुक्तालय ने पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद की है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त जाब्ता भी लगाया गया है। वहीं, अभय कमाण्ड से भी चप्पे-चप्पे पर पुलिस टीम नजर बनाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में तुरंत पुलिस प्रशासन पहुंच सकें। पुलिस आयुक्त बीजू जार्ज जोसेफ खुद निगरानी कर रहे हैं। परकोटे सहित अन्य बाजारों में दो हजार अतिरिक्त जवान सुरक्षा में लगाए गए हैं। वहीं, शहरवासियों को जाम से बचाने के लिए विशेष यातायात व्यवस्था की गई है। भारी वाहनों को डायवर्ट कर निकाला गया है। शाम छह बजे बाद परकोटे में चोपहिया वाहनों को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा और एकतरफा मार्ग पर रोशनी देखने वालों को पैदल चलने के लिए रास्ता दिया गया है।

हनुमान जन्मोत्सव मनाया, कई आयोजन

कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी पर शनिवार को अंजनी सुत हनुमानजी का जन्मोत्सव मनाया गया। शहर के चांदी की टकसाल स्थित काले हनुमानजी, चांदपोल हनुमानजी, खोले के हनुमानजी, घाट के बालाजी सहित शहर के सभी हनुमान मंदिरों में विशेष आयोजन हुए। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सुबह हनुमानजी महाराज को नवीन पोशाक धारण करवा कर मनमोहक श्रृंगार किया गया। सुबह से ही भक्तों ने हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ कर अपने आराध्य को प्रसन्न किया। इस मौके पर मंदिरों में रंग-बिरंगी झालरों और गुब्बारों से सजावट की गई। हनुमानजी महाराज के 56 भोग की झांकियां सजाई गई। चांदी की टकसाल स्थित काले हनुमान जी मंदिर में महंत गोपालदास के सान्निध्य में अभिषेक सहित अन्य कार्यक्रम हुए। हनुमानजी महाराज के विशेष झांकी सजाई गई। श्री खोले के हनुमान मंदिर में हनुमानजी महाराज को चांदी की पोशाक धारण कराकर मध्यरात्रि 11:30 बजे महाआरती हुई। इससे पहले शाम को हनुमानजी महाराज के चोला धारण करवाया गया।

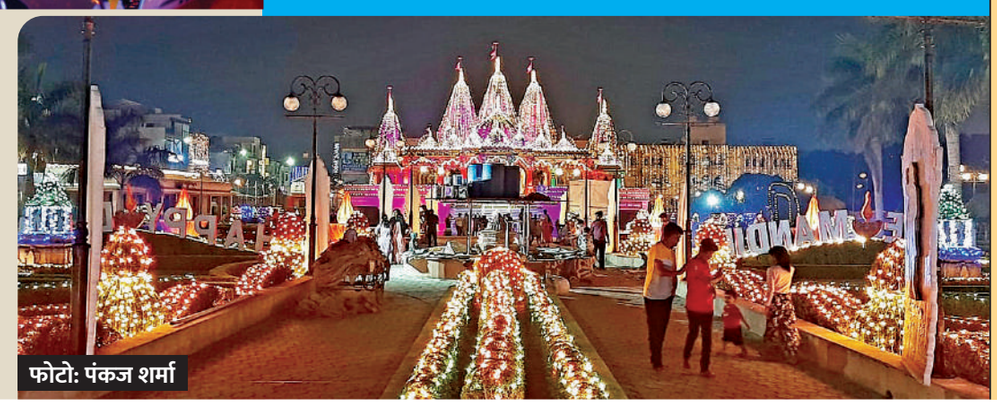

फोटो: पंकज शर्मा

500 करोड़ की मिठाइयां बिकी

मावे पर भारी काजू कतली-सोहन पपड़ी

बेधड़क | जयपुर

बात त्योहारों की हों तो मिठाई का नाम अपने आप मुंह में आ ही जाता है। ऐसे में दिवाली के अवसर पर तो ढेर सारी खुशियों वाली मिठाइयां घर पर लाई जाती है। वैसे दिवाली पर कई तरह कह मिठाईयां बनाई और खाई जाती हैं, लेकिन इस बार डाइरफूट्स की मिठाइयों की डिमाण्ड ज्यादा आ रही है। इनमें सबसे ज्यादा काजू और बादाम कतली को लोग खरीद रहे हैं। वहीं, गिफ्ट में देने के लिए सोहन पपड़ी को ज्यादा तरजीह दी गई है।

एक अनुमान के मुताबिक राजधानी में पिछले दो दिन में करीब 500 करोड़ की मिठाई बेची गई है। इनमें अकेले काजू कतली का व्यापार ही करीब 200 करोड़ हुआ है। वहीं, सोहन पपड़ी भी करीब 50 करोड़ रुपए की बेचने का अनुमान है। सूखे मेवे को भी लोग पसंद कर रहे हैं। मिठाई कारोबार से जुड़े व्यापारियों ने बताया कि वैसे तो हर बार आमतौर पर मावे से बनी मिठाई ही ज्यादा खाना पसंद करते हैं, लेकिन इस दिवाली मावे की मिठाई की डिमाण्ड कम आ रही है। इस कारण पिछले दो दिन से शहर की सबसे मावे की बडी मण्डी चौडा रास्ता में मावे कम खपत हुई है। हालांकि, मावे से भी कई तरह की स्वादिष्ट मिठाइयां बनाई जाती हैं, लेकिन पिछले दिनों मिलावटी मावे की खेप पकड़े जाने और मिलावटी दूध का खुलासा होने के बाद लोग इसे कम पसंद कर रहे है। हलवाई तेजा राम ने बताया कि अबकि बार काजू कतली की ज्यादा डिमाण्ड आई है। वहीं भाई दूज पर सबसे ज्यादा छेने से बनी मिठाई की बिक्री होगी। इनमें रसगुल्ला और गुलाब जामुन, केसरबाटी और बंगाली मिठाई प्रमुख है। भाईदूज पर बहनें अपने भाई के लिए छेने की मिठाई लेकर जांएगी।

मिट्टी के उत्पादों से जुड़े लोगों का दर्द

चमचमाती लाइटों की रोशनी में खो रही मिट्टी के 'दीपकों की लो'

श्रवण भाटी | बेधड़क

जयपुर। दीपावली पर्व का आगमन मिट्टी के कामगारों के लिए महाबिक्री सीजन होता था। मिट्टी के दीयों और मटकियों सहित अन्य उत्पादों की जमकर बिक्री होती थी, लेकिन अब समय बदल गया है। रंग-बिरंगी चम-चम करती लाइट्स की रोशनी में दीयों की लौ की चमक मंद पड़ गई है।

हर शॉप, हर मॉल सज-धज कर ग्राहकों के स्वागत को तैयार है, ऐसे में इन मिट्टी के फनकारों के ग्राहक और बिक्री में गिरावट आई है, जो लगातार बढ़ती जा रही है।... शहरों की आंखों पर पड़ी झलक को गांव और ढाणी तक ले आया है आदमी।मिट्टी के उत्पादों के व्यवसाय से जुड़े देवेंद्र कुमार ने बताया कि जहां तक मुझे याद है कि पिछली दिवाली जो व्यक्ति इस फोटो में दिख रहें हैं वे मेरी चौखट पर नहीं आए थे न बस्ती में। मैंने गत वर्ष न आने का कारण पूछा तो कहते हैं कि इण त्योहार माथे तिंवारी (बाजरी या रुपए जो भी) में बस्ती वाले बहुत किच किच करते हैं।

गांव से गाड़ी में आऊं, ढाणी-ढाणी जाऊं पालो फिरूं, पड़तो नी खावे और दिया भी 9/11/15 और एक लक्ष्मी जी की पूजा के लए बड़ा दीपक...आप एक दिए की कीमत 5 रुपए भी लगवाते हैं तो 15 दीयों का 75 रुपए होता है।

हम बाजरी कितनी डालते हैं 1 किलो या अधिकाधिक 2 किलो और तो और ऊपर से खरी खोटी

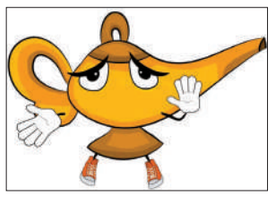

और सुना देते हैं कि 'इत्ति तो घणी, थारो की लागे'। मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि बाबूजी बहुत कुछ लगता है। मेहनत हैं। आशा है। भावना जुड़ी है आपसे। आपकी बस्ती से...। उम्मीद अथवा भावना से बड़ी यदि कोई कीमत हो तो फिर अपने घर के दरवाजे का पल्लू इनके आते धकेल देना ही बेहतर है, क्योंकि हमने इनकी जीविकोपार्जन के अनेक थोथे कारण ढूंढ लिए होंगे।

आधुनिकता की दौड़ में भूले परंपरा

उन्होंने कहा कि हमें उत्सव दिख रहा है। घर में पड़ी लाइट्स से जुड़ने वाली झालर दिख रही हैं। घर को चमकाना इन दीयों से नामुमकिन लगता है। वो चमकने वाली 500 रुपए की डेकोरेशन से घर को खुशियों से सरोबार करना चाहते हो। हर व्यक्ति सोचता है कि पेट पर लात मारकर न खाना, न कमाना! फिर ये सोच कहां चली जाती होगी, जब हम इन कामगारों की दुकान से माटी से निर्मित वस्तुओं के भाव में इस कद्र पेश आते हैं कि कहीं मिट्टी से निर्मित वस्तुओं का शोरूम ही खड़ा न कर दे। साथ ही सरकार की मिट्टी के बर्तनों को इस्तेमाल कर पर्यावरण संतुलन की सीख भी फीकी पड़ रही हैं।

इस दिवाली आशा का दीप जलाएं

देवेंद्र कुमार ने अपील की कि विपणन प्रत्येक चीज का हो। बाजार में हर वस्तु का क्रय-विक्रय हो, जिससे कि ग्रोथ रेट बढ़े। किंतु ये अपनी हस्तकला को अपने घर तक छोड़ने आते हैं। हमें खुशी से इन्हें खुश करके लौटाना ही चाहिए। इनके हाथ निराशा लगती है तो इनकी कलाएं विलुप्त की और ही बढ़ेगी। हमें रीति को संजोना हैं साथ ही इन कामगारों का ख्याल भी,आइए इस दिवाली आशा का दीप जलाएं।

जरूरी खबर

फ्रिज में करंट... तीन लोग झुलसे महिला ने तोड़ा दम

जैसलमेर। जिले के लूणा कल्ला ग्राम पंचायत स्थित पदमाराम नाइयों की ढाणी में करंट की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सवाईराम नाई के घर पर बहू लक्ष्मी फ्रिज के पास बैठी थी। इस दौरान अचानक आए हाई वॉल्टेज के कारण करंट दौड़ गया। इस दौरान करंट पूरे घर में फैल गया। करंट की चपेट में आने से सास मूमल व बेटी मोनिका भी झुलस गई। कुछ ही देर बाद सवाईराम घर पहुंचा तो पत्नी, बेटी व मां तीनों ही घायल मिले। तीनों को पहुंचाया तो वहां लक्ष्मी को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं मूमल व मोनिका का इलाज चल रहा है।

नृत्यांगना गुलाबो कल बिखेरेंगी लोक कला के रंग

चूरू। उद्योगपति संदीप भूतोडिया की ओर से दीपावली पर्व पर 13 नवंबर को ओसवाल स्कूल सुजानगढ़ मे स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के रियाजत खान ने बताया कि कार्यक्रम में प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्यांगना गुलाबो अपने साथी कलाकारों के साथ नृत्य प्रस्तुति देंगी। वहीं जिया बैंड के कलाकारों की ओर से संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में कलाकार लोक कलाओं की बारीकियों से रूबरू करवाएंगे।

स्वयं सेवकों ने दिया अनुशासन का संदेश

भुसावर। गांव तरगवा में आरएसएस की ओर से शनिवार को पथ संचलन निकाला गया। इसमें 80 स्वयं सेवकों ने भाग लिया और कदम से कदम मिलाकर अनुशासन का परिचय देते हुए समाज को देशभक्ति का संदेश दिया। संघ के दीपक पांडे ने बताया कि गांव तरगवां शाखा पर आरएसएस पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस दौरान तरगवां शाखा के स्वयंसेवकों ने कदम से कदम मिलाकर अनुशासन का परिचय दिया एवं शारीरिक प्रदर्शन के माध्यम से देशभक्ति की अलख जगाई। गांव में जैसे ही एक लय और ताल के साथ स्वयंसेवकों का पथसंचलन गांव के प्रमुख मार्गों से निकला तो ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया। इस दौरान भारत माता के जयकारों से माहौल देशभक्ति के रंग में रंगा दिखा।

मार्मिक अपील: पुष्कर में इजराइली पर्यटकों ने बाजारों में दुकानदारों व लोगों को पैम्फलेट बांटकर मांगा समर्थन

हमास ने बेगुनाहों का कत्ल किया, दुनिया हमारे दर्द को समझे

बेधड़क | पुष्कर

हमारा देश इजराइल शांतिप्रिय देश है। हमास ने पहले हम पर हमलाकर बेगुनाहों का खून बहाया। हमास ने लोगों को युद्ध के दलदल में धकेला है।

उसने छोटे बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों का कत्लेआम किया और आज भी कई इजराइली नागरिक हमास ने बंधक बना रखे हैं। इसलिए दुनिया को हमारे दर्द को समझना चाहिए।

ये मार्मिक अपील शनिवार को पुष्कर में इजराइली पर्यटकों ने स्थानीय दुकानदारों और श्रद्धालुओं को पैम्फलेट वितरित करते हुए की। पुष्कर के युवकों से शादी कर यहां की बहू बनी कई इजराइली महिलाओं ने कहा कि संकट के इस दौर में इजराइली नागरिकों को भारत से जो प्यार और स्नेह मिल रहा है उसे वे कभी भुला नहीं पाएंगे।

इजराइली महिला पर्यटक नोफार ने बताया कि हमास ने 1400 से ज्यादा इजराइली नागरिकों को बंधक बनाया था। 8,500 से ज्यादा महिला-पुरुष और बच्चों की रैंगिंग की। महिलाओं के साथ रेप किया गया और उन्हें मार दिया गया। इजराइली पर्यटकों ने दुनिया के देशों से अपील करते

हुए कहा कि जो लोग इजराइल को हमलावर देश मानते हैं उन्हें अपनी आंखें खोलकर सत्य का साथ देना चाहिए। संकट की इस घड़ी में इजराइली नागरिकों को भारत जो अपनापन मिला है उसके वे दिल से आभारी हैं।

विदेशी बहुएं करेंगी सरोवर की महाआरती

पुष्कर के युवकों से शादी कर चुकी रवि जैन की पत्नी इजराइल की ख्याल और बाबू गुर्जर की पत्नी यारा ने भी भारतीय लोगों से इजराइल के लिए समर्थन की मांगा है। वहीं स्थानीय पंडित रविकांत शर्मा ने बताया कि दीपोत्सव के दौरान पुष्कर सरोवर पर महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान दोनों विदेशी बहुओं के साथ देशभर से पुष्कर घूमने आए विदेशी पर्यटक महाआरती में शामिल होंगे। इस दौरान हमास की कैद में बंद इजराइली नागरिकों की आजादी के लिए प्रार्थना की जाएगी।

स्थानीय दुकानदारों ने भी दिया मुहिम को समर्थन

इजराइल के पर्यटकों की ओर से पुष्कर के बाजारों में बाहर से आने वाले लोगों और स्थानीय दुकानदारों को पैम्फलेट बांटे। इस दौरान उन्होंने इजराइल और हमास में वर्षों से हो रहे इस संघर्ष के बारे में जानकारी देते दी। उन्होंने इजराइल को शांतिप्रिय देश बताते हुए दुनिया के देशों से उसके संबंधों के बारे में बातचीत की। इस दौरान स्थानीय दुकानदारों ने इजराइली पर्यटकों की इस मुहिम का समर्थन करते हुए कहा कि भारत हमेशा इजराइल के साथ खड़ा है। गौरतलब है कि इजराइल की और से पूरी दुनिया मे अलग-अलग माध्यमों से एक मुहिम चलाई जा रही है। जिसमें दुनिया के सामने इजराइल का पक्ष रखा जा रहा है।

जिले में अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत, दो गंभीर घायल

कार को घसीटता ले गया टैंकर सड़क पार करते युवक को रौंदा

बेधड़क | सिरोही

जिले में हुए दो हादसों में रफ्तार का कहर बरपा। दोनों हादसों में सेना के क्लर्क की मौत हो गई और उसकी पत्नी गंभीर घायल हो गई। वहीं दूसरे हादसे में कार ने राहगीर युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। लोगों ने पीछाकर कार चालक को पकड़ा।

जानकारी के अनुसार कांडला राजमार्ग स्थित कोतवाली थाना क्षेत्र में अनादरा रोड स्थित जीएसएस के पास टेंकर ने कार को टक्कर मार दी। कोतवाली थाने के सब इंस्पेक्टर पूरा राम ने बताया कि नीलकंठ नगर मंडोर जोधपुर निवासी लक्ष्मण दास वैष्णव पुत्र अंबादास वैष्णव और उनकी पत्नी हेमा वैष्णव कार में सवार होकर जामनगर गुजरात जाने के लिए रवाना हुए थे। सिरोही अनादरा चौराहे से करीब 2 किलोमीटर दूर जीएसएस पुलिया के पास तेज रफ्तार टैंकर ओवरटेक करते हुए आया और कार को टक्कर मारने के बाद उसे दूर तक घसीट ले गया। इस हादसे में कार में सवार लक्ष्मण दास की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी हेमा के दाहिने पैर में फ्रैक्चर होने

तथा सिर में चोट लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गई। उनको इलाज के लिए सिरोही अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर रवाना किया। जबकि क्षतिग्रस्त कार में बुरी तरह फंसे हुए लक्ष्मण दास को करीब आधे घंटे बाद काफी मशक्कत से निकाला जा सका। घटना की सूचना मिलने पर परिजन शनिवार दोपहर सिरोही पहुंचे। पुलिस ने भाई की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने बताया कि लक्ष्मण दास वैष्णव, जोकि भारतीय सेना, जम्मू में लिपिक पद पर कार्यरत थे, छुट्टी लेकर जोधपुर आए थे। दिवाली मनाने के लिए पत्नी को साथ लेकर उनके ससुराल जामनगर जा रहे थे कि रास्ते में दुर्घटना के शिकार हो गए।

युवक को कार ने मारी टक्कर, मौत

सिरोही में सड़क पार कर रहे युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। युवक के दोस्तों ने उसे सिरोही अस्पताल के ट्रोमा सेंटर पहुंचा। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया। उसे लोगों ने बाहरी घाटा टनल के पास पीछा कर पकड़ा और कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया। हादसा ब्यावर पिंडवाड़ा फोर लाइन स्थित पिंडवाड़ा थाना क्षेत्र के नया सानवाड़ा गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार खींवसर नागौर निवासी महेंद्र सिंह जाट (19) पुत्र कानाराम जाट अपने कुछ साथियों के साथ अलग-अलग कारों में गुजरात से खींवसर नागौर की तरफ लौट रहा था। पिंडवाड़ा तथा सिरोही के बीच नया सानवाड़ा गांव के पास शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे एक होटल से पानी की बोतल खरीदने के बाद महेंद्र वापस सड़क पार कर रहा था। इसी बीच पिंडवाड़ा की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मारी दी। हादसे में महेंद्र के सिर में गंभीर चोट लगी, उसके साथियों ने कार से उसे सिरोही अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचा। जहां मौजूद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद कार ड्राइवर घटनास्थल से फरार हो गया। जिसे महेंद्र सिंह के साथियों ने पीछा कर किसी तरह विधि कॉलेज के पास पकड़ लिया। पुलिस घटनास्थल पहुंची तथा कार में मौजूद दो परिवार के लोगों को लेकर कोतवाली की तरफ लौट गई।

बड़े भाई ने छोटे को चाकू के वार से किया लहूलुहान

सिरोही में मामूली कहासुनी में गुस्सा होकर बड़े भाई ने छोटे भाई को चाकू मारकर घायल कर दिया। परिजनों ने घायल को इलाज के लिए सिरोही अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के टांकरिया की है। जानकारी के अनुसार टांकरिया निवासी भीखाराम पुत्र भूराराम भील तथा उसके बड़े भाई नारायण के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई। कहासुनी इतनी बढ़ गई कि नारायण ने छोटे भाई भीकाराम के पेट, कमर और पसली पर चाकू से वार कर लहुलूहान कर दिया। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन परिजनों ने यह कहकर रिपोर्ट दर्ज करवाने से इनकार कर दिया कि बड़ा भाई मानसिक रूप से बीमार है।

सेहत से कर रहे खिलवाड़

सोयाबीन और रिफाइंड तेल मिलाकर बना रहे थे कलाकंद, 84 Kg नष्ट

बेधड़क | भरतपुर

त्योहारी सीजन में खाद्य पदार्थों में मिलावट कर मुनाफाखोर लोग लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। शरीर के लिए हानिकारक केमिकल, तेल आदि मिलाकर नकली मावा, दूध, मिठाइयां बनाकर बाजार में खपाई जा रही है। ताजा मामला डीग जिले के गोपालगढ़ में सामने आया। यहां नकली कलाकंद बनाने के गोरखधंधे का भंडाफोड़ किया गया है।

गोपालगढ़ थाना पुलिस ने 84 किलो नकली कलाकंद को जब्त कर उसे नष्ट किया है। आरोपी सोयाबीन, रिफाइंड और कुछ खाद्य सामग्री मिलाकर नकली कलाकंद बनाता था। पुलिस को जैसे ही इसके बारे में पता लगा तो पुलिस मौके पर पहुंची और खाद्य विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कलाकंद के सैंपल दिलवाए गए। सैंपल में कलाकंद नकली पाया गया। इसके बाद पुलिस ने कलाकंद को नष्ट किया। पुलिस की टीम गश्त के दौरान हुस्सेका गांव पहुंची। वहां पुलिस को सूचना मिली की, गांव के अब्दुल कयूम के घर में नकली मिठाइयां बनाई जाती है। सूचना पर पुलिस ने अब्दुल के घर में छापा मारा। अब्दुल के घर में कई सारे मिठाई के डिब्बे रखे हुए थे। जब उनका वजन किया तो वह 84 किलो कलाकंद निकला। इस पर पुलिस ने खाद्य विभाग के विश्वबंधु गुप्ता को मौके पर बुलाया और कलाकंद के सैंपल दिलवाए गए। सैंपल में कलाकंद फेल हो गया। अयूब से मौके पर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह सोयाबीन, रिफाइंड और कुछ खाद्य सामग्री मिलकर कलाकंद बनाता है और वह और व्यापारियों से कम रेट में कलाकंद बेचता है। जिस पर पुलिस ने कलाकंद को कब्जे में लेकर उसे नष्ट कर दिया।

जीजा बचाने पहुंचे, तब तक हो चुकी थी मौत

युवक ने किया लाइव सुसाइड

बेधड़क | नागौर

एक फैक्ट्री ऑपरेटर ने इंस्टा पर लाइव आकर सुसाइड कर लिया। जब युवक के जीजा ने वीडियो में साले को फंदे पर झूलता देखा तो बचाने दौड़ा, लेकिन तब तक ऑपरेटर की मौत हो चुकी थी।

मामला नागौर के परबसर थाना क्षेत्र के बिदियाद स्थि त मार्बल इंडस्ट्रियल एरिया का है। सूचना के बाद बिदियाद पुलिस चौकी प्रभारी प्रदीप चौधरी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। चौकी प्रभारी प्रदीप चौधरी ने बताया कि अलवर के नांगल टप्पा निवासी जाहिर (18) पुत्र जसमत मार्बल

इंडस्ट्रियल एरिया बिदियाद की एक पाउडर फैक्ट्री में ऑपरेटर का काम करता था। शुक्रवार रात को जाहिर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दो वीडियो अपलोड किए, जिनमें एक में वो दुखी अवस्था में वीडियो बनाते हुए नजर आया। वहीं दूसरे वीडियो में कमरे में छत से झूलता फंदा दिखा रहा है। वीडियो पोस्ट करने के बाद जाहिर इंस्टाग्राम पर लाइव आया और पंखे से बनाए हुए फंदे पर झूलने लगा। उसके जीजा जमशेद और अन्य साथी दौड़कर उसके कमरे पर पहुंचे। जाहिर ने मकराना के सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

दौसा दुष्कर्म मामले लेकर भाजपा का कांग्रेस पर प्रहार

बच्चियों के साथ रेप से प्रदेश पर कलंक

बेधड़क | भरतपुर

दौसा में एक पुलिस एसआई की ओर से पांच साल की बच्ची से रेप के मामले को लेकर भाजपा अब कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। शनिवार को भाजपा महिला मोर्चा ने इस मामले को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा।

महिला मोर्चा की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में अध्यक्ष मोनिका जैन ने कहा कि राजस्थान में बच्चियां और महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। आए दिन नाबालिग बच्चियों के साथ घटनाएं हो रहीं हैं।

जबकि प्रियंका गांधी कहती हैं, 'लड़की हूं लड़ सकती हूं'। कांग्रेस सरकार में बच्चियों के साथ भी रेप हो रहे हैं। ऐसे में लड़की कहां जाए। डीग जिले की महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान के नाम को कलंकित किया जा रहा है। जो जनता के रक्षक हैं, वही बच्चियों के साथ बलात्कार कर रहे हैं। जिस इलाके में रह रहे हैं, उसी में वारदात कर रहे हैं। स्थानीय लोग उन्हें अपना मान रहे हैं। दौसा मामले को लेकर उन्होंने कहा कि बच्ची से रेप करने के बाद उसके पिता थाने में शिकायत लेकर गए तो उनके साथ मारपीट की गई, यह कितना शर्मनाक है। राजस्थान सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम नहीं किए।

गहलोत सरकार के राज में रावण राज हो गया है। इन दरिंदों को कांग्रेस सरकार ने संरक्षण दे रखा है। महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि जिस तरह एक मछली तालाब को गंदा कर देती है। उसी तरह एक वर्दी वाले ने सभी वर्दी वालों को बदनाम कर दिया है। पुलिस को अपने मान-न्सम्मान ये लिए खुद सोचना होगा।

चार लोगों पर 25 लाख हड़पने का आरोप

ब्रह्माकुमारी संस्थान में फंदे पर लटकी मिली 2 सगी बहनें

बेधड़क | धौलपुर

जिले में ब्रह्माकुमारी संस्थान में दो सगी बहनों की ओर से आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। दोनों बहनों ने सोशल मीडिया पर अपलोड किए सुसाइड नोट में चार लोगों पर संस्थान के नाम से आए चंदे के 25 लाख रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। जिन चाल लोगों पर आरोप लगाए गए हैं इनमें तीन लोग धौलपुर के रहने वाले हैं।

सुसाइड धौलपुर जिले की सीमा से सटे उत्तर प्रदेश के जगनेर स्थित ब्रह्माकुमारी संस्थान में किया गया। जानकारी के अनुसार आत्महत्या करने वाली दोनों बहने एकता और शिखा सिंघल ने सुसाइड नोट में धौलपुर शहर के संतर रोड स्थित बाजे वाली गली में रहने वाले

आरोपियों पर अनैतिक गतिविधियां करने और ब्रह्माकुमारी संस्था के 25 लाख रुपए हड़पने का आरोप लगाया है। सुसाइड नोट में नीरज सिंघल के साथ उसके पिता ताराचंद और बहन पूनम का नाम लिखा गया है, जिनका मकान धौलपुर शहर में संतर रोड पर है। आत्महत्या के लिए जिम्मेदार बताए गए तीनों आरोपी मृतक बहनों के मौसेरे भाई, बहन और मौसा लगते हैं।

पुलिस मामले की जांच में जुटी

दोनों बहनों की आत्महत्या के मामले की जांच में पुलिस जुटी हुई है। एसीपी खेरागढ़ महेश कुमार ने बताया कि रात को दो बहनों द्वारा ब्रह्मकुमारी संस्थान में आत्महत्या करने की सूचना मिली थी। आत्महत्या करने से पहले दोनों बहनों ने सोशल मीडिया पर अपना सुसाइड नोट डाला था। इसमें बताया गया था कि धौलपुर जिले के रहने वाले नीरज अग्रवाल, ताराचंद अग्रवाल और पूनम के साथ मिलकर संस्था के लिए चंदे के जरिए एकत्रित किए गए 25 लाख रुपए हड़प लिए थे।

एक ही कमरे में दो फंदों पर लटके मिले शव

आगरा के ब्रह्माकुमारी आश्रम में शुक्रवार देर रात दोनों सगी बहनों ने मौत को गले लगा लिया। एक ही कमरे के अलग-अलग फंदे पर दोनों बहनों के शव लटके मिले। जानकारी में सामने आया कि करीब 20 साल पहले नीरज, ताराचंद और पूनम ने मिलकर ब्रह्माकुमारी संस्थान की सदस्यता ली थी। एक साल पहले ही आरोपी संस्थान के पैसे लेकर फरार हो गए। इसके बाद से ही दोनों बहने मानसिक तनाव में थीं। जिसके चलते उन्होंने फंदा लगाकर अपनी जान दे दी।

फुटेज से हुई आरोपियों की पहचान

टेंपो चालक पर हमला करने का आरोपी पकड़ा

बेधड़क | अजमेर

डिग्गी बाजार में टेम्पो चालक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार हमले करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसने बुधवार रात वारदात को अंजाम दिया था। बाद में दो अन्य साथियों के साथ फरार हो गया। पुलिस उसके दोनों साथियों की तलाश कर रही है।

गिरफ्तार आरोपी किशन कुमार बुकण (29) निवासी अजय नगर है। कोतवाली एसएचओ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि घायल टेंपो चालक पप्पू टेपण आरोपी किशन से उधार की रकम मांगने गया था।

इसके बाद दोनों के बीच विवाद हो गया और गुस्से में आकर

किशन ने पप्पू पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद किशन बाइक सवार दो साथियों के साथ फरार हो गया। ये पूरा घटनाक्रम क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद होने के बाद पुलिस को मिले फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की गई। घायल चालक के पड़ोसी किशन के घर पर छापेमारी के अलावा मिलने वालों से भी पूछताछ की गई। मुखबिर की सूचना पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

चुनावी पोळ

पूजो लिछमी लोकतंत्र री,
रखो वोट री आन।
धौळा-धौळा ही राखणा,
घटै ना इणरो मान।।

■ गजानन

विधानसभा चुनाव | प्रदेश की 200 सीटों पर 183 महिला उम्मीदवार, पिछले चुनाव से छह कम

चुनावी मैदान में महज 10 फीसदी महिलाएं 81 सीटों पर सिर्फ पुरुष प्रत्याशी

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के विधानसभा चुनावों में 200 में से 81 यानि 40.5 फीसदी सीट ऐसी हैं जिनपर एक भी महिला प्रत्याशी मैदान में नहीं है। साफ है महिलाओं के लिए विधानसभा में जाने की संभावनाएं चुनाव से पहले ही महज 60 फीसदी सीटों पर ही आंकी जा सकती हैं। ये सब तब है जब सभी पार्टियां महिलाओं को आगे लाने की बात कर रही हैं। पिछले दिनों ही महिला आरक्षण का बिल खासा चर्चाओं में रहा है। दोनों बड़ी पार्टियों की बात करें तो भाजपा व कांग्रेस ने प्रदेश की 200 सीटों पर महज 46 महिलाओं को टिकट दिए हैं। भाजपा ने महज 20 यानि 10 प्रतिशत सीटों पर महिलाओं को उतारा है वहीं कांग्रेस ने 28 यानि 14 प्रतिशत सीटों पर महिलाओं को मौका दिया है। दोनों पार्टियों ने 2018 के विधानसभा चुनाव में 49 महिलाओं को मौका दिया था जिनमें से 27 महिलाएं चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची।

पिछले चुनाव से प्रत्याशी भी कम, महिला भी कम

पिछले विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर कुल 2294 उम्मीदवारों ने भाग्य आजमाया था। इस बार प्रत्याशियों की संख्या 1875 ही रह गई है।नामांकन दाखिल करने वाले 2365 प्रत्याशियों में से 490 के नाम वापस लेने के बाद मैदान में 1875 प्रत्याशी बचे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव से इस बार के प्रत्याशियों की संख्या 419 कम हैं। इसी प्रकार पिछली बार 189 महिलाएं चुनाव मैदान में थी जिनकी संख्या इस बार 183 है। इनमें से 46 महिला प्रत्याशी भाजपा या कांग्रेस के टिकट पर लड़ रही हैं वहीं 137 महिला प्रत्याशी अन्य पार्टियों के टिकट पर या निर्दलीय मैदान में हैं।

ये भी कटु सत्य- महिलाओं को नहीं मिलते वोट

चुनावी मैदान में उतरने वाली महिलाएं जनता के वोट भारी मात्रा में नहीं ले पातीं, ये भी एक कटु सत्य है। भाजपा-कांग्रेस से टिकट पाने वाली महिलाओं को छोड़ दें तो अधिकांश महिला प्रत्याशियों के लिए वोट बटोरना मुश्किल रहता है। 2018 के चुनाव में उतरी 189 महिलाओं में से 138 जमानत नहीं बचा पाईं थी। 2013 में 166 महिलाओं ने चुनाव लड़ा जिनमें से 105 की जमानत जब्त हो गई। 2008 चुनाव में उतरी 154 महिलाओं में से 95 की जमानत जब्त हुई तथा 2003 में 118 महिला प्रत्याशियों में से 76 की जमानत जब्त हुई।

महिलाओं को टिकट में 2018 में भी कांग्रेस थी आगे

पिछले चुनाव में भाजपा ने 23 महिलाओं को टिकट दिए थे वहीं कांग्रेस ने 27 महिलाओं को चुनाव में उतारा था। इससे पहले 2013 में भाजपा ने 26 व कांग्रेस ने 24, 2008 में भाजपा ने 31 व कांग्रेस ने 23, 2003 में भाजपा ने 22 और कांग्रेस ने 18 महिलाओं को विधानसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया था। 1998 में कांग्रेस ने 12 और भाजपा ने 8 महिलाओं को पार्टी का टिकट दिया था।

46 सीटों पर महिलाएं मुकाबले में

भाजपा-कांग्रेस ने जिन सीटों पर महिलाओं को उतारा है वहां ये प्रत्याशी मुख्य मुकाबले में हैं। भाजपा ने विद्याधर नगर से दीया कुमारी, सूरजगढ़ से संतोष अहलावत, बागीदौरा से कृष्णा कटारा, राजसमंद से दीप्ति, नागौर से ज्योति मिर्धा, मकराना से सुमित्रा भींचर, बीकानेर पूर्व से सिद्धि कुमारी, सुजानगढ़ से संतोष, लाडपुरा से कल्पना देवी, झालरापाटन से वसुंधरा राजे, केशोरायपाटन से चंद्रकांता, भोपालगढ़ से कमसा, सोजत से शोभा चौहान, राजाखेड़ा से नीरजा शर्मा, अजमेर दक्षिण से अनिता भदेल, जायल से डॉ. मंजू, अनूपगढ़ से संतोष बावरी, सादुलपुर से सुमित्रा पूनिया, कामां से नौक्षम व हिंडौन से राजकुमारी जाटव को मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने जोधपुर से मनीषा पंवार, ओसियां से दिव्या मदेरणा, शेरगढ़ से मीना कंवर, जालोर से रमीला मेघवाल, आहोर से सरोज चौधरी, बगरू से गंगा देवी, चौमूं से शिखा मील बराला, मालवीय नगर से अर्चना शर्मा, सिकराय से ममता भूपेश, खेतड़ी से मनीषा गुर्जर, मंडावा से रीटा चौधरी, बानसूर से शकुंतला रावत, वल्लभगढ़ से प्रीति शक्तावत, कठूमर से संजना जाटव, कुशलगढ़ से रमीला खड़िया, पुष्कर से नसीम अख्तर इंसाफ, नोखा से सुशीला डूडी, कोटा दक्षिण से राखी गौतम, किशनगंज से निर्मला सहरिया, बामनवास से इंदिरा मीणा, धौलपुर से शोभारानी कुशवाह, भोपालगढ़ से गीता बरबड़, अजमेर दक्षिण से द्रौपदी कोली, जायल से मंजू मेघवाल, अनूपगढ़ से शिमला नायक, सादुलपुर से कृष्णा पूनिया, कामां से जाहिदा खान, हिंडौन से अनिता जाटव को टिकट दिया है।

इन सीटों पर नहीं एक भी महिला प्रत्याशी

किशनपोल	मालपुरा
जैसलमेर	टोंक
भीनमाल	चौरासी
जालौर	पीलीबंगा
सांचौर	नोहर
लक्ष्मणगढ़	भादरा
सीकर	शाहपुरा
गोगुंदा	किशनगढ़
उदयपुर ग्रामीण	मसूदा
मावली	तिजारा
रानीवाड़ा	बहरोड़
डीग	रामगढ़
मनोहरथाना	चौहटन
देवली	नगर
उनियारा	भरतपुर
आसपुर	आसींद
सागवाड़ा	मांडन
लोहावट	सहाड़ा
लूणी	शाहपुरा
पीपल्दा	फुलेरा
सांगोद	दूदू
गंगापुर सिटी	आमेर
फतेहपुर	झोटवाड़ा
सलूम्बर	पिलानी
लूणकरणसर	नवलगढ़
हिंडौली	फलोदी
कपासन	कोटा उत्तर
बेगूं	रामगंज मंडी
चित्तौड़गढ़	लाडनूं
निंबाहेड़ा	डीडवाना
बड़ी सादड़ी	खींवसर
चूरू	परबतसर
सरदारशहर	नावा
लालसोट	पाली
घाटोल	बाली
बांसवाड़ा	सुमेरपुर
बायतू	धरियावद
पचपदरा	प्रतापगढ़
सिवाना	भीम
सिरोही	कुंभलगढ़
पीपाड़ा	नाथद्वारा

बिहाइंड द कर्टेन

जॉइनिंग मेले, फीड बैक और विशेष 'मनुहार'

मौसम का मिजाज बदल रहा है। कहीं बर्फ, कहीं बारिश। तापमापी का पारा गिर रहा है। सियासी पारा चढ़ रहा है। नेताओं को पंख लगे हैं। कभी देश की तो कभी प्रदेश की राजधानी। चार्टर प्लेन से उतरे तो हेलिकॉप्टर में चढ़ गए। हेलिकॉप्टर से उतरे तो कारों का काफिला तैयार। स्टार प्रचारक घूम रहे हैं। किसी की बात सुनी जाती है, कोई हर सभा में एक जैसा भाषण दे रहा है। एक स्टार प्रचारक खुद का प्रचार कर रहे हैं। इस चुनाव के लिए नहीं, अगले साल होने वाले चुनाव के लिए। जो सीएम हैं या हो सकते हैं उनका नाम तक नहीं लेते। बाकी को स्टार का तमगा क्यों दे दिया वे खुद भी नहीं जानते। अपने क्षेत्र में कोई पूछ नहीं, दूसरी जगह क्या होगी। कई नेता पार्टियां बदल रहे हैं। बड़े बेआबरू होकर तेरे कूंचे से हम निकले...। जॉइनिंग मेले लग रहे हैं। गले में दूसरी पार्टी का दुपट्टा डाल लिया। कुछ तो यह कारनामा एक से अधिक बार कर चुके हैं। पिछली बार टिकट मिला तो हार गए। चुनाव आए तो फिर टिकट मांगने वालों की कतार में शामिल। नहीं मिला तो नाराज हो गए। पता नहीं नई पार्टी में जाकर कौनसा तीर मार लेंगे। इनके एक पार्टी छोड़ने और दूसरी पार्टी में जाने से शायद ही रिजल्ट पर असर हो। सब जानते हैं पर अभी तो तालियां बजाकर स्वागत करना है। माहौल बनाने को कई जतन करने पड़ते हैं। कहीं यज्ञ हवन तो कहीं देव दर्शन। कोई ट्रेक्टर चला रहा है तो कोई पकौड़े तल रहा है। शहरों में ढोल-थाली के साथ जनसम्पर्क की धूम है। मारवाड़ में नजारा कुछ अलग है। दूर-दराज की गांव-ढाणियों तक पहुंचना बड़ी चुनौती है। दर्जनों गाड़ियों के काफिले धूल उड़ाते घूम रहे हैं। कई क्षेत्रों में पार्टी वालों से ज्यादा धूम निर्दलीयों के खेमे में नजर आती है। इनका असर दोधारी तलवार जैसा हो रहा है। खुद जीतें या नहीं, समीकरण तो बिगाड़ सकते हैं। थर्ड फ्रंट वाले भी जमकर ताल ठोक रहे हैं। कई सीटों पर समीकरण बिगड़ रहे हैं। बैठकों में फीड बैक लिया जा रहा है। कार्यकर्ताओं के कान में जीत का मंत्र फूंका जा रहा है। चुनाव में कई काम ऐसे होते हैं जो पर्दे के पीछे करने पड़ते हैं। तो विशेष व्यवस्थाओं की बात अलग है। दिनभर की थकान यहां आकर उतरती है। चुनाव तक तो मनुहार में कमी नहीं। मतदाता क्या करें? जो भी आ रहा है उसे ही माला पहना रहे हैं। घर आने वाले का मान रखना पड़ता है। वोट के दिन कौन किसका मान रखता है यह तो नतीजे के दिन ही पता चलेगा।

■ यायावर

ई वॉर

Rajasthan PCC @INCRajasthan · 4h

कर्नाटक की जनता ने प्रधानमंत्री की ध्रुवीकरण की नीति को नकारा था और राजस्थान की जनता भी नकारेगी। यह रणनीति अब नहीं चलेगी :- @Jairam_Ramesh

Vasundhara Raje @VasundharaBJP — Follow

बीते पांच वर्षों में राजस्थान में दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ी हैं, भ्रष्टाचार चरम पर है तथा पेपर लीक के मामलों में प्रदेश कलंकित हुआ है। इसलिए समय आ गया है अपने वोट की चोट से कांग्रेस के कुशासन को उखाड़ फेंकने का तथा सुशासन के लिए भाजपा को विजयी बनाने का।

थड़ी पॉलीटिक्स

जो नेता जीतेगा जनता का विश्वास, उसी को मिलेंगे वोट

स्थान जनता कॉलोनी **समय** दोपहर 3:30 बजे

जयपुर

बारिश के बाद मौसम में अचानक ठंड बढ़ गई है। शाम की हवाएं सर्द हो चुकी हैं। साथ में त्योहारी माहौल भी है तो लोग सर्द हवाओं और त्योहार के उल्लास में सराबोर हैं। मौसम चाहे कितना भी सर्द हो जाए, चुनावी गर्मी को कम नहीं कर सकता। आखिर चुनाव भी एक त्योहार है। दिवाली तो हर वर्ष आती है, चुनाव तो पंचवर्षीय हैं। ऐसे में चुनावी त्योहार का उल्लास कैसे कम हो सकता है। तो, बाजारों में दिवाली की सजावटी लड़ियों के साथ राजनीतिक पार्टियों की झंडियां अलग ही माहौल बना रही हैं। बाजारों में भोपुओं पर लगातार चलते दिवाली की शुभकामनाओं के दौर के बीच अचानक किसी नेता की रैली चुनावी रंग घोल देती है। दिवाली की खरीदारी को लेकर चल रही दोस्तों की चर्चा के बीच अचानक आ जाने वाले राजनीतिक समीकरण चुनावी उत्साह को बयां कर देते हैं। लोकतंत्र में जनता को जनार्दन माना गया है तो जनता के बीच चलने वाली चर्चा से राजनीति का रुख समझने हम पहुंचे आदर्श नगर में जनता कॉलोनी स्थित एक चाय की थड़ी पर। यहां बैठे लोगों के एक झुंड में चर्चा राजनीति की ही चल रही थी। "तो, आ गए ना तुम लोग गाय माता पर। चुनावों के टाइम तो तुम्हें सब याद आ जाता है।" एक तरफ से बात चली तो तपाक से दूसरी ओर से जवाब आया-"तो क्या गलत कर दिया। पूरे इलाके को बर्बाद कर रखा है तुम्हारे लोगों ने पर अबकी बार दाल नहीं गलेगी। जनता पूरा हिसाब करेगी।" जवाब करारा था तो इसके जवाब में बात भी करारी ही आई-" भाई, बर्बाद कर रखा है तो बर्बादी की बात करो ना, चुनावी स्टंट तो मत करो। अपनी गलती का ठीकरा दूसरे के सिर तो मत फोड़ो। अगर जनता से जुड़ी कोई परेशानी है तो उसे सबके सामने लाओ और सामने वाले की असलियत उजागर करो। पर जब इस तरह की बातें चुनाव में आती हैं तो इसका साफ मतलब है कि कुछ दमदार मुद्दा नहीं है।" बात सही हो या गलत, पर बात में दम तो था। तो सामने से बात को समेटने की कोशिश हुई- "भाई, ये तो हमें भी दिख रहा है और जनता को भी। लोग पागल नहीं हैं जो इन मुद्दों पर आज के जमाने में वोट करेंगे। और अगर ऐसे मामलों में भी सच्चाई हो तो वोट करेंगे भी। लेकिन असली मुद्दा तो विकास ही है। जो नेता केवल राजनीति करेगा और विकास के नाम पर लोगों को पागल बनाएगा उसका तो पत्ता साफ है। चुनाव जीतना है तो जनता का भरोसा जीतना पड़ेगा।" हर चुनाव के इस परम सत्य पर से जैसे ही पर्दा हटा, सबने हां में हां मिलाई और सभा बर्खास्त हुई।

पॉली क्लिक्स

चुनाव लड़ रहे नेताओं का मुख्य फोकस युवा मतदाताओं को रिझाने पर है क्योंकि ये मतदाता जिसे चाहें उसे सत्ता दे सकते हैं। चौमूं से कांग्रेस प्रत्याशी शिखा बराला नवमतदाताओं से कुछ इस अंदाज में मिलीं।

पॉली टून

चुनावी इतिहास के झरोखे से

■ *गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार*
gulabbatra@gmail.com

राजनीति पर छाने के लिए राजेश्वर प्रसाद सिंह विधूड़ी बन गए थे राजेश पायलट

नाम में क्या रखा है- शेक्सपियर के इस प्रसिद्ध कथन को राजनीतिक क्षेत्र में भी चरितार्थ होते राजस्थान की धरती पर देखा गया। इसकी सहज शुरुआत भरतपुर से हुई जब एक राजनेता के नामकरण से उसे प्रसिद्धि मिली और जिसने राजस्थान सहित देश की राजनीति को भी प्रभावित किया।

संयोग देखिए कि इस राजनेता के पुत्र को मिली राजनीतिक विरासत का असर अब भी बरकरार है। आप इस राजनेता का नाम जानना चाहेंगे? तो यह शख्स था राजेश पायलट। इस नामकरण की कहानी सुनने की इच्छा जरूर होगी पर यह नौबत क्यों उत्पन्न हुई, यह जानना भी जरूरी है। उत्तरप्रदेश का यह युवक दिल्ली की गलियों में दूध बेचकर अपनी पढ़ाई पूरी करने से भी नहीं झिझका। आकाश में उड़ने की इच्छा ने उसे पायलट बनाया। वह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बड़े पुत्र राजीव गांधी का साथी बना। आपातकाल के पश्चात केन्द्र में गठित प्रथम गैर कांग्रेस सरकार का कार्यकाल अपने अन्तर्विरोध से पूरा नहीं हो पाया। वर्ष 1980 के लोकसभा चुनाव का बिगुल बज उठा।

इंदिरा कांग्रेस को चुनाव लड़ने के लिए नए चेहरों की तलाश हुई। भरतपुर संसदीय क्षेत्र में राजीव गांधी के सहयोगी राजेश को उतारा गया। इस पैराशूट उम्मीदवार ने नामांकन पत्र दाखिल किया। नाम था राजेश्वर प्रसाद सिंह विधूड़ी। नामांकन के पश्चात कांग्रेसजन ओमप्रकाश पोद्दार के होटल परिसर पहुंचे। धाऊ श्रीनाथ जी ने कांग्रेस जनों से परिचय कराते हुए राजेश्वर सिंह के बारे में जानकारी दी। इसी चर्चा के दौरान भरतपुर घना रोड पर श्री भूरी सिंह व्यायामशाला के संचालक पहलवान खलीफा तथा प्रदेश कांग्रेस सेवादल के संगठक रहे चुन्नी कप्तान ने कांग्रेस प्रत्याशी का नामकरण किया। कप्तान का कहना था कि इनका पूरा नाम आम लोगों की समझ में नहीं आएगा। चूंकि यह विमान पायलट रहे हैं। इसलिए इनका नाम राजेश पायलट ठीक रहेगा। इससे लोकप्रियता बढ़ेगी। सभी को नाम जंच गया और नया नारा गूंज उठा- राजेश पायलट जिंदाबाद।

भरतपुर से शुरू हुआ राजनीतिक सफर

वर्ष 1980 के चुनाव में उन्होंने भरतपुर से अपने नए नाम के साथ अपना चुनावी सफर आरम्भ किया। फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। भरतपुर लोकसभा क्षेत्र में जनता दल (एस) के नत्थी सिंह को 12 हजार 259 मतों से परास्त करने वाले राजेश पायलट ने 1984 में दौसा से भाजपा के नाथू सिंह को 74 हजार 343 वोटों से हराया। उन्होंने 1989 में पुन: भरतपुर का रुख किया लेकिन जनता दल प्रत्याशी महाराजा विश्वेन्द्र सिंह से 70 हजार 452 मतों के अंतर से मात खा बैठे। फिर पुन: दौसा से लगातार चुनावी चौका जीत दर्ज कर केन्द्र में मंत्री बने। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव भी लड़ा। इसी दौसा से जयपुर आते समय 11 जून 2000 को सड़क दुर्घटना में राजेश पायलट का निधन हो गया। राजनीति से परे उनके पुत्र सचिन पिता का अस्थि कलश लेकर भरतपुर पहुंचे तब महाराजा श्री जया कॉलेज ग्राउण्ड पर पुष्पांजलि कार्यक्रम के दौरान चुन्नी कप्तान ने सचिन को सचिन पायलट नाम से संबोधित करने का सुझाव दिया। वही सचिन पायलट आज भी राजस्थान की कांग्रेस राजनीति में एक धुरी बने हुए हैं।

पंकज ओझा
राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी

शाश्वत सनातन

केरल राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में स्थित श्रीपद्मनाभ स्वामी मंदिर, जिसे भगवान विष्णु का निवास स्थान के साथ ही इसे दुनिया का सबसे धनी मंदिर भी माना जाता है। इस मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में हुआ था और इसमें भगवान विष्णु की 12008 शालिग्राम मूर्ति स्थित हैं। मंदिर की वास्तुशिल्प और नक्काशी पत्थर और कांसे पर आधारित हैं और इसका खजाना छह अलग-अलग तहखानों में सुरक्षित है। तिजोरी 'बी' को खोलने की कोशिशें हुईं, लेकिन इसे बंद कर दिया गया। इसे अलौकिक शक्तियों से संरक्षित माना जाता है।

भारत का दिव्य देसम है तिरुवनंतपुरम के पूर्वी किले में स्थित भगवान विष्णु का पद्मनाभ मंदिर

6 वॉल्ट में छिपा है सबसे धनी मंदिर के अमीर होने का रहस्य

क्या आप जानते हैं दुनिया का सबसे धनी मंदिर कौनसा है और यह कहां पर स्थित है। नहीं ना! कोई बात नहीं हम आपको बताते हैं। आज का हमारा आर्टिकल इसी मंदिर पर है। केरल राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम के पूर्वी किले के भीतर भगवान विष्णु का विश्व प्रसिद्ध श्री पद्मनाथ स्वामी मंदिर है। अद्भुत रहस्य समेटे इस मंदिर को ही संसार का सबसे अमीर मंदिर कहा जाता है। केरल और द्रविड़ वास्तुशिल्प शैली का अनुपम उदाहरण श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर का इतिहास 08वीं शताब्दी से मिलता है। यह विष्णु के 108 पवित्र मंदिरों में एक है, जिसे भारत का दिव्य देसम भी कहते हैं। दिव्य देसम भगवान विष्णु का सबसे पवित्र निवास स्थान है, जिसका उल्लेख तमिल संतों द्वारा लिखी गई पांडुलिपियों में मिलता है। इस मंदिर के प्रमुख देवता भगवान विष्णु हैं जो भुजंग अनंत सर्प पर लेटे हुए हैं।

प्रतिमा में हैं 12,008 शालिग्राम

श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के प्रमुख देवता की प्रतिमा अपने निर्माण के लिए जानी जाती है। इसमें 12008 शालिग्राम हैं, जिन्हें नेपाल की नदी गंडकी के किनारों से लाया गया था। श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर का गर्भगृह एक चट्टान पर स्थित है और मुख्य प्रतिमा जो लगभग 18 फीट लंबी है, को अलग-अलग दरवाजों से देखा जा सकता है। पहले दरवाजे से सिर और सीना देखा जा सकता है, जबकि दूसरे दरवाजे से हाथ और तीसरे दरवाजे से पैर देखे जा सकते हैं।

छह तहखानों में रखा हुआ है खजाना

पौराणिक कथाओं के अनुसार मंदिर को प्राचीन समय में शाप लगा हुआ है। कहा जाता है कि मंदिर का सारा खजाना छह अलग-अलग तहखानों में रखा हुआ है। 2011 में, एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी सुंदरराजन ने मंदिर के खजाने की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने खजाने के बारे में पता लगाने के लिए सात सदस्यीय कमेटी बनाई। उन्होंने छह तहखानों की तलाशी ली, जिनके दरवाजे लोहे के बने थे। उन्हें वहां हीरे और अन्य कीमती रत्नों और पत्थरों के साथ-साथ 1 लाख करोड़ रुपये की कीमती धातुओं से बनी मूर्तियां और सिंहासन मिले।

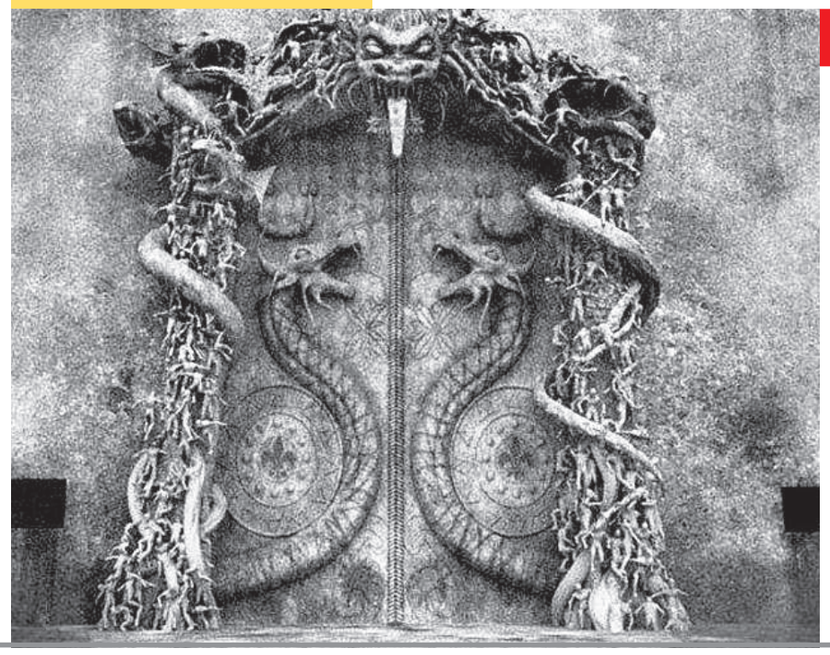

वॉल्ट 'बी' रहता है बंद

तिजोरी बी के दरवाजे को नहीं खोला गया, मान्यता है कि जो भी उसे खोलेगा उसे कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। माना जाता है कि सभी छह तिजोरियों में से, चैंबर 'बी' भगवान पद्मनाभस्वामी से सबसे अधिक जुड़ा हुआ माना जाता है। तिजोरी खुलने के चंद हफ्ते बाद ही याचिकाकर्ता की अकस्मात मौत से बदकिस्मती की यह धारणा प्रबल हो गई। माना जाता है कि तिजोरी बी अलौकिक देवताओं द्वारा संरक्षित है। सदियों पहले जब मंदिर प्रबंधन ने कल्लारा बी को खोलने की कोशिश की, तो उन्हें लहरों की आवाजें सुनाई दीं तो वापस इसे बंद करने का निर्णय लिया। 1930 के दशक में जब लुटेरों का एक गिरोह मंदिर को लूटने गया, तो उन्होंने देखा कि सांप उनकी ओर आ रहे हैं। ऐसा माना जाता है कि प्राचीन काल के संतों ने शक्तिशाली नागा पासम मंत्र का जाप करके कक्ष के प्रवेश द्वार को सील कर दिया था। केवल सबसे सटीक समझ वाला पुजारी ही गरुड़ मंत्र का जाप करके इसे खोल सकता है।

भगवान पद्मनाभ के दास बनकर रहते थे राजा

त्रावणकोर के राजा मार्तंड वर्मा थे, जिन्होंने मंदिर का पुनर्निर्माण कार्य कराया। वहीं मंदिर आज के श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। मार्तंड वर्मा ने ही इस मंदिर में मुरजपम और भद्र दीपम त्योहारों की शुरुआत की थी। मुरजपम जिसका अर्थ प्रार्थना का मंत्रोच्चार करना होता है, इस मंदिर में छः वर्षों में एक बार अब भी किया जाता है। वर्ष 1750 में, मार्तंड वर्मा ने त्रावणकोर राज्य भगवान पद्मनाभ को समर्पित कर दिया। मार्तंड वर्मा ने यह घोषणा की कि राज परिवार भगवान की ओर से राज्य का शासन करेगा और वे स्वंय और उनके वंशज राज्य की सेवा पद्मनाभ के दास या सेवक के रूप में करेंगे। तब से त्रावणकोर के प्रत्येक राजा के नाम से पहले पद्मनाभ दास लगाया जाता है। त्रावणकोर राज्य द्वारा दिए गए दान को त्रिपड़ीदानम कहा जाता है। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम का नाम श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के प्रमुख देवता के नाम पर है, जिन्हें अनंत (जो सर्प अनंत पर लेटे हैं) भी कहा जाता है। शब्द 'तिरुवनंतपुरम' का शाब्दिक अर्थ है–श्री अनंत पद्मनाभस्वामी की भूमि। माना जाता है कि श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर ऐसे स्थान पर स्थित है जो सात परशुराम क्षेत्रों में से एक है। स्कंद पुराण और पद्म पुराण में इस मंदिर का संदर्भ मिलता है। यह मंदिर पवित्र टंकी पद्म तीर्थम यानी 'कमल जल' के पास है। यह मंदिर अब एक ट्रस्ट चलाता है, जिसका नेतृत्व त्रावणकोर के पूर्ववर्ती राज परिवार के पास है।

पत्थर और कांसे पर की गई नक्काशी के लिए है प्रसिद्ध

इस मंदिर का वास्तुशिल्प पत्थर और कांसे पर की गई नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर के अंदरूनी हिस्सों में सुंदर चित्र और भीति चित्र उकेरे गए हैं। इनमें से कुछ चित्र भगवान विष्णु की लेटी हुई मुद्रा, नरसिम्ह स्वामी, भगवान गणपति और गज लक्ष्मी की छवियां हैं। इस मंदिर का ध्वज स्तंभ लगभग 80 फीट ऊंचा है, जिसे स्वर्ण लेपित तांबे की चादरों से ढंका गया है। एक और ढांचा जो ध्यान आकर्षित करता है, वह नवग्रह मंडप है, जिसकी छत पर नव ग्रह दिखाई देते हैं। पूर्वी हिस्से से लेकर गर्भगृह तक एक बड़ा गलियारा है, जिसमें 365 और एक तिहाई कलाशिल्प वाले ग्रेनाइट पत्थर के खंबे हैं जिनमें सुंदर नक्काशी की गई है। पूरब की तरफ मुख्य प्रवेश द्वार के नीचे भूतल है, जिसे नाटक शाला कहा जाता है।

कविता

सनातन उत्सव

सुनील कुमार महला
हनुमानगढ़

देखो-देखो आई आज कार्तिक मास अमावस्या,
सनातन ये उत्सव है।
जगमग-जगमग, जगमग-जगमग दीप जलें,
हर घर, हर दर खुशियां फैली, मंगलमय गान हैं।।
हर तरफ नेह के दीप जले हैं,
हरेक मन में उल्लास के रंग अनेक भरे हैं।
स्नेह की बूंदें टपक रही हैं, कीट-पतंगों का हो रहा नाश,
ज्योति कलश सब छलक रहे हैं।।
पांच दिनों का पावन त्योहार, धनतेरस,
नरक चतुर्दशी, लक्ष्मी पूजा, गोवर्धन पूजा और भाईदूज़।
दीपक गाए राग, पटाखे, राकेट और फुलझड़ियां, खील-बताशे,
मिठाइयां और व्यंजन, हर दिल में आज उठ रही है हूक।।
आलोक फैल रहा ब्रह्मांड में, पग-पग उजियारा है।
द्वेष-भावना और कटुता का नाम नहीं,
लड़ियां सारी झूमें, जगमग-जगमग सारा जहान,
मिट रहा अंधियारा है।।
भेदभाव, ऊंच-नीच और नफरत की दीवारें आज ढ़ह रहीं,
उपज रहा है ज्ञान प्रकाश।
यश, वैभव, सुख और नेह है बरस रहा, रंगोली,
वंदनवार से हर सपनों को मिल रहा है नया आकाश।।
खेतों ने ओढ़ी धानी चादर, सर्द ऋतु का हो रहा है आग़ाज़
पर्व है ये पुरुषार्थ का।
हरित सारे मन आज, छटाओं में रवानगी है,
पर्व है ये दिव्यार्थ का।।
संगीत का जादू है, स्वरों में भगवान श्रीराम का गुणगान है।
हर मुख मुस्कान है, दीवाली की यही तो पहचान है।।
तमस भाग रहा दूर, आशाओं की किरणें अंतर्मन में आज जल रहीं।
दसों दिशाओं में सुरभि-सुगंध फैली,
दीवाली उमंग, जोश और आलोक हर रगो में आज भर रही।।
चारों दिशाओं की देहरी पर दमक रहे हैं दीये, मन सारे मुग्ध हैं।
झिलमिलाता है प्रेम चहुंओर,
दीपों की पंक्तियों से सज रहा आज क्रम है।।

विशेष आलेख

मुगलकाल में भी शाही दिवाली

जाहिद खान
शिवपुरी (म.प्र.)

सदियों से हमारे देश का किरदार कुछ ऐसा रहा है कि जिस शासक ने भी सामंजस्यपूर्ण सह अस्तित्व की भावना से सत्ता चलाई, उसे देशवासियों का भरपूर प्यार मिला। मुगल शासक भी उनमें से एक थे। मुगलकाल में औरंगजेब को छोड़ दें, तो सारे मुगल शहंशाह सामंजस्यपूर्ण सह अस्तित्व पर यकीन रखते थे।

उन्होंने कभी मजहब के साथ सियासत का घालमेल नहीं किया और हमेशा उदारवादी तौर-तरीके आजमाए। धार्मिक स्वतंत्रता, अपना धर्म पालन करने तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि उन्होंने एक ऐसा नया खुशनुमा, सबरंग माहौल बनाया, जिसमें सभी धर्मों को मानने वाले एक-दूसरे की खुशियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते और तीज त्योहार में भी शामिल होते। मुगलकाल में हिंदू और मुस्लिम त्योहार जबरदस्त उत्साह और बिना किसी भेदभाव के मनाए जाते थे। हिंदू त्योहार दीपावली, शिवरात्रि, दशहरा और रामनवमी को मुगलों ने राजकीय मान्यता दी थी।

मुगलकाल में खासतौर पर दीपावली त्योहार में एक अलग ही रौनक होती थी। यह पर्व पूरी सल्तनत में अपूर्व उत्साह से मनाया जाता था। दीप पर्व आगमन के तीन-चार हफ्ते पहले से ही महलों की साफ-सफाई और रंग-रोगन के दौर चला करते। दीयों की रोशनी से समूचा राजमहल जगमगा उठता, जिसे इस मौके के लिए खास तौर पर सजाया-संवारा जाता था।

बाबर के बाद हमायूं ने भी जारी रखी परंपरा

मुगल शासक बाबर दीपावली धूमधाम से मनाया करते थे। इस दिन पूरे महल को दुल्हन की तरह सजाकर दीये जलाए जाते थे। बाबर अपनी गरीब रियाया को नये कपड़े और मिठाइयां भेंट करते थे। बाबर के उत्तराधिकारी हुमायूं ने भी उनके इंतकाल के बाद यह रिवायत जारी रखी। दीपावली पर हुमायूं, महल में महालक्ष्मी के साथ अन्य हिन्दू देवी-देवताओं की पूजा भी करवाते थे। एक विशाल मैदान में आतिशबाजी की जाती थी और फिर 101 तोपें चलाई जाती थीं।

श्रद्धा के साथ संपन्न होती थी गोवर्धन पूजा

जैसा कि सब जानते हैं कि दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा होती है, मुग़लकाल में गोवर्धन पूजा बड़ी श्रद्धा के साथ संपन्न होती थी। यह दिन गौ सेवा के लिए निर्धारित होता। गायों को अच्छी तरह नहला-धुलाकर, सजा-संवारकर उनकी पूजा की जाती। अकबर खुद इन समारोहों में शामिल होते थे। जहांगीर के शासनकाल में दिवाली के अलग ही रंग थे। वे भी दिवाली को मनाने में अकबर से पीछे नहीं थे। किताब 'तुजक-ए-जहांगीरी' के मुताबिक साल 1613 से लेकर 1626 तक जहांगीर ने हर साल अजमेर में दिवाली मनाई। वे अजमेर के एक तालाब के चारों किनारों पर दीपक की जगह हजारों मशालें प्रज्वलित करवाते थे। इस मौके पर जहांगीर, अपने हिन्दू सिपहसालारों को कीमती नजराने भेंट करते थे। इसके बाद फकीरों को नए कपड़े, मिठाइयां बांटी जाती। यही नहीं आसमान में 71 तोपें दागी जाती और बारूद से बने बड़े-बड़े पटाखे चलाए जाते थे।

अकबर के वक्त परवान चढ़ी गंगा-जमुनी तहजीब

अकबर के शासनकाल में पूरे देश में गंगा-जमुनी तहजीब और परवान चढ़ी। इस्लाम के साथ-साथ वे सभी धर्मों का समान सम्मान करते थे। अकबर ने अपनी सल्तनत में विभिन्न समुदायों के कई त्योहारों को शासकीय अवकाश की फेहरिस्त में शामिल किया। दिवाली मनाने की शुरुआत दशहरे से ही शुरू हो जाती। दशहरे पर शाही घोड़ों और हाथियों के साथ व्यूह रचना तैयार कर, सुसज्जित छतरी के साथ जुलूस निकाला जाता। अकबर के नौ रत्नों में से एक अबुल फजल ने अपनी किताब 'आईना-ए-अकबरी' में दीपावली का तफसील से जिक्र किया है। अकबर दिवाली की शाम अपने पूरे साम्राज्य में मुंडेरों पर दीये रोशन करवाते थे। महल की सबसे लंबी मीनार पर 20 गज लंबे बांस पर कंदील लटकाए जाते थे। यही नहीं महल में पूजा दरबार आयोजित किया जाता था। इस मौके पर मुकम्मल साज-सज्जा कर दो गायों को कौड़ियों की माला गले में पहनाई जाती और ब्राह्मण उन्हें शाही बाग में लेकर आते। अकबर उन्हें महंगे तोहफों से लाद देते थे। दिवाली के दौरान शहजादे और दरबारियों को राजमहल में जुआ खेलने की भी इजाज़त होती थी।

दशहरा पर्व पर भोज देने की थी परंपरा

दिवाली से पहले, हस्ब-ए-मामूल दशहरा पर्व भी मनाया जाता था। औरंगजेब समेत सभी मुगल शासकों ने दशहरा पर्व पर भोज देने की परंपरा कायम रखी। इस मौके पर औरंगजेब अपने हिंदू अभिजात्य साथियों में सम्मानस्वरूप वस्त्र वितरित करते। थोड़े कट्टरपंथी, तंगनज़र तबके को छोड़कर, सभी एक-दूसरे के त्योहारों में बगैर हिचकिचाहट भागीदार बनते थे। दोनों समुदाय अपने मेलों, भोज तथा त्योहार एक साथ मनाते। दिवाली तो जैसे कौमी त्योहार होता। ग्रामीण इलाकों के मुस्लिम अपनी झोपड़ियों व घरों में रौशनाई करते तथा जुआ खेलते। वहीं मुस्लिम महिलाएं भी दीपावली को अपनी ईद मानती थीं। इस दिन वे अपनी बहनों और बेटियों को लाल चावल से भरे घड़े बतौर तोहफा भेजती। यही नहीं दिवाली से जुड़ी सभी रस्मों को भी पूरा करतीं। बंगाल तथा अवध के नवाब भी दिवाली शाही अंदाज में मनाते थे।

तेलंगाना चुनाव परिक्रमा: प्रधानमंत्री ने भारत राष्ट्र समिति और कांग्रेस पर किया सियासी प्रहार

BRS-कांग्रेस दलित विरोधी, उनके पापों के लिए माफी मांग रहा: मोदी

एजेंसी | हैदराबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति और कांग्रेस पर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि बीआरएस दलित विरोधी है और कांग्रेस भी उसी के जैसी है। अलग राज्य तेलंगाना के गठन के लिए जारी आंदोलन के दौरान बीआरएस(तत्कालीन टीआरएस) ने एक दलित को मुख्यमंत्री बनाने का वादा किया था। लेकिन राज्य के गठन के बाद, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने प्रत्येक दलित की आकांक्षाओं को कुचल कर मुख्यमंत्री की कुर्सी हथिया ली। वहीं, कांग्रेस ने दो बार बाबासाहेब अंबेडकर को जीतने नहीं दिया। कांग्रेस के चलते बाबासाहेब को दशकों तक भारत रत्न नहीं मिला था।

पीएम मोदी ने शनिवार को यहां मडिगा रिजर्वेशन पूरता समिति द्वारा आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। मोदी ने कहा कि राजनीतिक दलों और उसके नेताओं ने अतीत में मडिगा समुदाय से वादे किए तथा उनके साथ विश्वासघात किया। मैं उनके पापों के लिए माफी मांग रहा हूं।

मोदी ने एमआरपीएस के संस्थापक कृष्णा मडिगा का कंधा थपथपाया, और उन्हें गले लगा लिया। मडिगा सभा में भावुक हो गए थे।

मडिगा समुदाय के लिए समिति का होगा गठन

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र जल्द ही एक समिति गठित करेगा, जो मडिगा समुदाय के सशक्तीकरण के लिए हर संभव तरीके अपनाएगा। उन्होंने अनुसूचित जातियों को श्रेणीबद्ध करने की मडिगा समुदाय की मांग के संदर्भ में यह कहा। उन्होंने कहा, हम यथाशीघ्र इस अन्याय को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह हमारा चुनावी वादा है कि हम शीघ्र ही एक समिति गठित करेंगे जो आपको सशक्त करने के लिए हर संभव तरीके अपनाएगा। आप और हम यह भी जानते हैं कि उच्चतम न्यायालय में एक बड़ी कानूनी प्रक्रिया जारी है।

राहुल ने बीआरएस व भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि अब पूरे भारत में जनता को केंद्रबिंदु में रखने वाली शासन व्यवस्था के युग को वापस लाने का समय आ गया है। बीआरएस और भाजपा की सरकारें तेलंगाना के लोगों की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ है। उन्होंने तेलंगाना के एक किसान परिवार के साथ संवाद करते हुए यह दावा भी किया कि प्रदेश की बीआरएस की सरकार तेलंगाना के लोगों की जरूरतें पूरी करने में पूरी तरह अक्षम है। राहुल गांधी ने तेलंगाना में वर्ष 2020 में आत्महत्या करने वाले एक किसान के परिवार से अपनी हालिया मुलाकात का एक वीडियो शनिवार को अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया। उन्होंने विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से दी गई 'गारंटी' का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों को राहत देने और तरक्की के मकसद से इन्हें तैयार किया गया है। राहुल गांधी ने दावा किया, अगर उन्हें सही समय पर सरकारी सहायता दी गई होती, तो वह अब भी जीवित होते और अपने प्रियजन के बीच होते।

मोदी ने घुसपैठियों को रोका, अनुच्छेद 370 हटाया: शाह

धार (मध्य प्रदेश)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार है जिसके अंदर देश में घुसपैठियों को रोकने का साहस है तथा कांग्रेस एवं विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं के लिए ऐसा करना संभव नहीं है। उन्होंने धार जिले के मनावर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि शाह ने कहा कि यह मोदी सरकार ही थी जिसने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटा दिया, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया था कि इससे खून-खराबा हो जाएगा, हालांकि कुछ नहीं हुआ।

तेलंगाना: भाजपा का घोषणा पत्र दीपावली बाद

हैदराबाद। तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि प्रदेश में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के वास्ते पार्टी दीपावली के बाद घोषणापत्र जारी करेगी। रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 और 27 नवंबर को चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। उनके अलावा केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और अमित शाह तथा उत्तर प्रदेश, गोवा और असम के मुख्यमंत्री भी राज्य में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। रेड्डी ने कहा, दीपावली के बाद कई कार्यक्रम कर भाजपा अपना प्रचार अभियान तेज करेगी। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों की सूची घोषित किए जाने के बाद बड़ी संख्या में युवा भाजपा की गतिविधियों में हिस्सा ले रहे हैं। रेड्डी ने कांग्रेस और बीआरएस पर निशाना भी साधा।

MP: भाजपा का घोषणा पत्र जारी, किसानों को साधने की जुगत

धान-गेहूं के लिए एमएसपी, गरीब बेटियों को मिलेगी मुफ्त में शिक्षा

एजेंसी | भोपाल

भाजपा ने 17 नवंबर को होने जा रहे मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया, जिसमें गेहूं के लिए 2,700 रुपए प्रति क्विंटल एवं धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसएपी) 3,100 रुपए प्रति क्विंटल, और लाड़ली बहना योजना की लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराने का वादा किया गया है।

गरीब परिवारों की लड़कियों को स्नातकोत्तर (पीजी) तक मुफ्त शिक्षा, 12वीं कक्षा तक गरीब छात्रों को मुफ्त शिक्षा और लाड़ली बहना तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाओं की लाभार्थियों के लिए 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना घोषणा पत्र के मुख्य आकर्षण हैं।भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ पार्टी के प्रदेश प्रमुख वीडी शर्मा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और अन्य नेताओं ने 96 पृष्ठों का यह संकल्प पत्र यहां जारी किया। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने भी अपने घोषणा पत्र में राज्य के लोगों से कई चुनावी वादे किए हैं।

98 पृष्ठों के संकल्प पत्र में कई वादे

- गरीब छात्रों को 12वीं तक मुफ्त शिक्षा
- लाड़ली बहना तथा उज्ज्वला योजनाओं की लाभार्थियों को 450 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर
- गेहूं के लिए 2,700 रुपए एवं धान के लिए 3,100 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी
- छह नए एक्सप्रेस वे बनेंगे
- आदिवासी समुदाय के सशक्तीकरण के लिए तीन लाख करोड़ रुपए का बजट

चिकित्सा संस्थान खोलने का वादा

घोषणा पत्र के अनुसार, यदि भाजपा सत्ता में बनी रहती है तो पार्टी राज्य में आईआईटी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान) की तर्ज पर प्रौद्योगिकी संस्थान और एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) जैसे चिकित्सा संस्थान स्थापित करेगी। घोषणा पत्र में छह नए एक्सप्रेस वे और आदिवासी समुदाय के सशक्तीकरण के लिए तीन लाख करोड़ रुपए के बजट का भी वादा किया गया है। इस अवसर पर, नड्डा ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा एकमात्र राजनीतिक दल है जिसने घोषणा पत्र को सरकार का 'रोडमैप' बनाकर अक्षरश: लागू किया है। पार्टी अपने निगरानी तंत्र के माध्यम से घोषणा पत्र के कार्यान्वयन पर भी नजर रखती है।

सभी वर्गों के सुझावों के आधार पर तैयार किया घोषणा पत्र

प्रदेश भाजपा प्रमुख वीडी शर्मा ने कहा कि एक समिति ने समाज के सभी वर्गों और बुद्धिजीवियों से चर्चा और सुझाव मांगने के बाद घोषणा पत्र तैयार किया। घोषणा पत्र में लोगों की आकांक्षाएं शामिल हैं और इस पर चर्चा के लिए मंडल स्तर पर सम्मेलन आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की 11,000 किलोमीटर लंबी जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान सात लाख सुझाव प्राप्त हुए थे, जिनमें से कई पर विचार किया गया और उन्हें घोषणा पत्र में शामिल किया गया। चौहान ने कहा कि कांग्रेस का कहना है कि भाजपा 'नरक चतुर्दशी' पर अपना घोषणा पत्र क्यों ला रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पौराणिक कथाओं और इतिहास की जानकारी नहीं है। इसी दिन भगवान कृष्ण ने नरकासुर की कैद से महिलाओं को मुक्त कराया था। भाजपा सरकार ने अपने सभी वादों को लागू कर लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास किया है।

बघेल ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

गैर-BJP शासित राज्यों को नियंत्रित करने की हो रही है कोशिश

एजेंसी | रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शनिवार को भाजपा-नीत केंद्र सरकार पर राजभवन के माध्यम से गैर-भाजपा शासित राज्यों को नियंत्रित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि यह तरीका देश और लोकतंत्र के हित में नहीं है। बघेल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान छत्तीसगढ़ में भाजपा के स्थानीय नेतृत्व के चुनाव प्रचार से गायब होने को लेकर निशाना साधा।

पंजाब विधानसभा से पारित कुछ विधेयकों की मंजूरी में विलंब को लेकर राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित और राज्य की भगवंत मान सरकार के बीच जारी विवाद के संदर्भ में पूछे गये एक सवाल पर बघेल ने कहा, प्रधान न्यायाधीश ने बहुत गंभीर टिप्पणी की है।

राजभवन अपने अधिकार का दुरुपयोग ही कर रहा है। पंजाब हो या तमिलनाडु, यहां तक कि छत्तीसगढ़ में भी एक दर्जन विधेयक राजभवन में अटके हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राजभवन के माध्यम से हर चीज को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है, जो देश और लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक है।

स्थानीय नेतृत्व तो गायब है, बघेल ने इस वीडियो को एक्स पर अपलोड किया

छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की आगामी यात्राओं के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने पूछा, स्थानीय नेतृत्व कहां है? यह तो गायब है। बघेल ने बाद में इस बातचीत का वीडियो अपने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रदेश भाजपा के नेताओं की उदासीनता को देखते हुए भाजपा बाहर के नेताओं को 'इम्पोर्ट' करके ला रही है, लेकिन प्रदेश की जनता ने मन बना लिया है, इन कमीशनखोरों को फिर से सबक सिखाना है।

अखंड प्रताप BJP में शामिल

भोपाल। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पूर्व मंत्री अखंड प्रताप सिंह यादव के भाजपा में शामिल होने पर उनका स्वागत करते हुए।

मध्य प्रदेश हॉट सीट बुधनी : नामांकन के बाद नहीं आए दौरे पर सीएम शिवराज

चौहान के गढ़ में कांग्रेस को अब 'हनुमान' से ही उम्मीद

एजेंसी | बुधनी (मप्र)

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव से बमुश्किल एक सप्ताह पहले बुधनी निर्वाचन क्षेत्र चुनावी जंग के प्रति उदासीन दिख रहा है, जहां भाजपा के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान का मुकाबला छोटे पर्दे पर 'हनुमान' की भूमिका निभा चुके कांग्रेस के उम्मीदवार विक्रम मस्तल से है। समाजवादी पार्टी के भगवाधारी और लंबी दाढ़ी वाले वैराग्यानंद गिरी उर्फ 'मिर्ची बाबा' भी यहां से मैदान में हैं, लेकिन मुकाबले को लेकर कोई खास हलचल नहीं दिख रही है।

चौहान के गांव जैत के सरपंच राजेश कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आत्मविश्वास से भरे चौहान ने 30 अक्टूबर को नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद अपने विधानसभा क्षेत्र का दौरा नहीं किया है।

चौहान वर्ष 2006 के उपचुनाव के बाद से बुधनी से लगातार चार बार जीत चुके हैं। इससे पहले वह बुधनी से 1990 में जीते थे। उनके निर्वाचन क्षेत्र के हर कोने में भाजपा के झंडे लहरा रहे हैं जबकि मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र में कांग्रेस के झंडों का दिखना दुर्लभ है।

जनता हनुमान जी के साथ: मस्तल

दूसरी ओर टीवी धारावाहिक में भगवान हनुमान की भूमिका निभाकर नाम कमाने वाले राजनीति के नौसिखिया मस्तल ने भाजपा की सुव्यवस्थित संगठन प्रणाली और इसके अभियान के बीच बहादुरी से मोर्चा संभाला है। मस्तल ने चुनाव प्रचार से कुछ समय की छुट्टी लेते हुए 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जनता हनुमान जी के साथ है।

पत्नी बेटे ने संभाला प्रचार का मोर्चा

चौहान की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी साधना सिंह, बेटे कार्तिकेय और मुख्यमंत्री के छोटे भाई नरेंद्र सिंह और रोहित सिंह उनका प्रचार कर रह हैं। मुख्यमंत्री के गांव जैत के सरपंच राजेश कुमार बालावी ने कहा कि चौहान साहब रिकॉर्ड अंतर से चुनाव जीतेंगे और निश्चित रूप से फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। जैत में लोगों को भरोसा है कि वह भारी जीत हासिल करेंगे।

छत्तीसगढ़ की चुनावी डायरी

कांग्रेस की सरगुजा का सरजात बनने की राह में कलह बन सकती है बाधा

एजेंसी | सरगुजा

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में सरगुजा प्रशासनिक प्रखंड में कांग्रेस के लिए 2018 का प्रदर्शन दोहराने की राह में आंतरिक कलह और सत्ता विरोधी लहर मुख्य बाधाएं हैं। पार्टी ने छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद 2018 में पहली बार इस क्षेत्र की सभी 14 सीटों पर जीत हासिल की थी।

इतनी बड़ी संख्या में सीटों पर जीत मिलने से राज्य में पार्टी द्वारा जीती गई सीटों की संख्या में भारी इजाफा हुआ था। कांग्रेस ने तब 90 में से 68 सीट जीती थीं और 15 वर्ष बाद भाजपा को राज्य की सत्ता से बाहर कर दिया था।

वहीं, इस बार भाजपा के सामने अपना खोया जनाधार हासिल करने की चुनौती है। इस अंचल की नौ सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। सरगुजा संभाग में छह जिले-जशपुर, कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा, बलरामपुर और नवगठित मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) शामिल हैं। अंचल सभी सीटों पर चुनाव के दूसरे चरण में 17 नवंबर को मतदान होगा।

2018 में सरगुजा अंचल

14
कुल सीटें

14
कांग्रेस

0
भाजपा

कांग्रेस ने चार विधायकों को बनाया प्रत्याशी

कांग्रेस ने इस बार चार विधायकों-प्रेमसाय सिंह टेकाम (प्रतापपुर), चिंतामणि महाराज (समरी), बृहस्पत सिंह (रामानुगंज) और विनय जायसवाल (मनेन्द्रगढ़) को टिकट नहीं दिया है। सिंहदेव ने कहा कि सभी को विशेषज्ञों द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर सामने आई जानकारी को ध्यान में रखते हुए टिकट नहीं दिया गया है।

2018 में कांग्रेस में हुई थी एकतरफा जीत

वर्ष 2008 के चुनाव में भाजपा ने क्षेत्र की नौ और कांग्रेस ने पांच सीटें जीती थीं। वहीं, 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और भाजपा को सात-सात सीटों पर जीत हासिल हुई थी। हालांकि, 2018 के चुनाव में भाजपा को सरगुजा संभाल की सभी सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था।

तीन मंत्री हैं सरगुजा संभाग से

भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के तीन मंत्री-टीएस सिंहदेव, अमरजीत भगत और प्रेमसाय सिंह टेकाम सरगुजा संभाग से ताल्लुक रखते थे। टेकाम ने इस वर्ष जुलाई में मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। सिंहदेव ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'कांग्रेस निश्चित रूप से अधिकतर सीटों पर बढ़त बनाएगी। मुझे लगता है कि कांग्रेस को 10-11 से कम सीटें नहीं मिलेंगी। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि पार्टी को इस बार कुछ झटका लग सकता है। सिंहदेव ने कहा, पिछली बार को छोड़कर कभी किसी ने 14 में से 14 सीटें नहीं जीतीं। आप हर वक्त तिहरा शतक नहीं जड़ सकते।

भाजपा ने दो सांसद उतारे चुनाव मैदान में

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार कहा कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपनी संभावनाओं को मजबूत करने के लिए इस बार नए चेहरों को मैदान में उतारा है। भाजपा ने दो मौजूदा सांसदों-केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह (भरतपुर सोहनाट) और गोमती साय (पत्थलगांव) के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णु देव साय (कुकुरी) को टिकट दिया है।पार्टी ने सीतापुर में रामकुमार टोप्पो (33) को मंत्री अमरजीत भगत के खिलाफ मैदान में उतारा है। टोप्पो इस साल की शुरुआत में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल छोड़कर राजनीति में शामिल हुए थे। वहीं, कांग्रेस ने अंबिकापुर के दो बार के महापौर अजय तिर्की को रामानुजगंज से उम्मीदवार बनाया है।

जरूरी खबर

कोर्ट की अनुमति के बाद बीमार पत्नी से मिले सिसोदिया

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अदालत से अनुमति मिलने के बाद शनिवार को अपनी बीमार पत्नी से मिले। कथित आबकारी घोटाला मामले में सिसोदिया तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्हें पूर्वाह्न 10 बजे से शाम चार बजे तक छह घंटे के लिए अपनी पत्नी से मिलने की इजाजत दी गई थी। सिसोदिया पुलिस वाहन से मथुरा रोड स्थित अपने आवास पर पूर्वाह्न करीब 10 बजे पहुंचे और मुलाकात की अवधि समाप्त हो जाने के बाद उन्हें वापस जेल ले जाया गया।

उप्र ATS ने ISIS से जुड़े चार लोगों को पकड़ा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने आईएसआईएस के अलीगढ़ मॉड्यूल से जुड़े चार आरोपियों को अलग-अलग इलाकों से गिरफ्तार किया है। एटीएस के अनुसार शुक्रवार को भदोही जिले के कोतवाली क्षेत्र के अंबरनीम मोहल्ले के राकिब इमाम अंसारी (29) को अलीगढ़ से तथा शनिवार को संभल जिले के सीकरी गेट क्षेत्र के जाट कॉलोनी निवासी नवेद सिद्दीकी (23), कोटला पंजू सराय के मोहम्मद नोमान (27) और नखास क्षेत्र के दीपा सराय निवासी मोहम्मद नाजिम को संभल से गिरफ्तार किया गया एवं उनके कब्जे से आईएसआईएस का प्रतिबंधित साहित्य, मोबाइल फोन और पेन ड्राइव बरामद किया गया है।

सरना धर्म को लेकर आत्मदाह की धमकी

जमशेदपुर। आदिवासी कार्यकर्ताओं ने शनिवार को धमकी दी कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर को अपनी प्रस्तावित झारखंड यात्रा के दौरान सरना धर्म को मान्यता देने की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर कोई घोषणा नहीं की तो वे आत्मदाह कर लेंगे। 'आदिवासी सेंगेल अभियान' के अध्यक्ष मुर्मू ने कहा कि कार्यकर्ता मांग के समर्थन में उस दिन झारखंड और अन्य राज्यों में उपवास रखेंगे। मोदी का 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड स्थापना दिवस पर राज्य के खूंटी जिले में मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू जाने का कार्यक्रम है। उमुर्मू ने कहा कि चेतावनी एएसए के दो कार्यकर्ताओं द्वारा जारी की गई थी, लेकिन उपवास के बारे में निर्णय स्वतंत्र रूप से लिया गया है।

रोशनी से जगमग अवध नगरी

अयोध्या। दीपावली से एक दिन पहले अयोध्या में शनिवार को दीपोत्सव मनाया गया। इस दौरान राम की पौड़ी समेत विभिन्न घाटों पर 22 लाख से अधिक दीप प्रज्जवलित किए गए। इस दौरान दीपों से जगमग राम की पौड़ी व अन्य स्थान। इस अवसर पर बने विश्व कीर्तिमान का प्रमाण पत्र लेते सीएम योगी आदित्यनाथ।

दीपोत्सव ने रचा इतिहास: बना विश्व कीर्तिमान

अयोध्या में एक साथ 22.23 लाख दीप जले

एजेंसी | अयोध्या

भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में शनिवार की शाम दीपोत्सव ने एक बार फिर विश्व कीर्तिमान बना।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में राम की पैड़ी पर 22 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए, जो 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' के मुताबिक विश्व कीर्तिमान है। राम की पैड़ी के 51 घाटों पर करीब 25 हजार स्वयंसेवकों ने आठ नवंबर से ही दीयों को सजाना आरंभ कर दिया था 54 देशों के राजनयिक भी इसके साक्षी बने। उन्होंने भी इस अविस्मरणीय, अद्भुत उपलब्धि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शुभकामनाएं दीं।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की अयोध्या ने नया कीर्तिमान बनाते हुए दीपोत्सव 2023 में 22.23 लाख दीप प्रज्वलित किए। पिछले वर्ष 2022 में प्रज्वलित 15.76 लाख दीपों से इस बार यह संख्या लगभग छह लाख 47 हजार अधिक रही। ड्रोन से की गई दीपों की गणना के उपरांत दीपोत्सव ने नया कीर्तिमान 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज किया है। दीप प्रज्वलन का नियत समय शुरू होते ही 'श्री राम जय राम जय जय राम' के जाप के साथ एक-एक कर 22.23 लाख दीप जलाए गए।

जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठी अयोध्या

'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' के प्रतिनिधियों द्वारा कीर्तिमान रचने की घोषणा के साथ ही पूरी अयोध्या 'जय श्री राम' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठी। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से ड्रोन की गणना के उपरांत 'एग्जीक्यूटर' स्वप्निल दंगारीकर व 'कन्सल्टेंट' निश्चल बरोट द्वारा यह जानकारी दी गई।

पुष्पक विमान से अयोध्या लौटे भगवान राम

प्रतीकात्मक भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण 14 वर्ष के वनवास के बाद पुष्पक विमान से शनिवार को अयोध्या पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने उनका स्वागत किया। भगवान राम जिस रथ पर माता सीता और अपने भाइयों के साथ सवार थे, उसे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक खींच रहे थे।

2017 में शुरू हुआ था दीपोत्सव

उप्र में वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद से अयोध्या में दीपोत्सव की शुरुआत हुई। 2017 में दीपोत्सव पर 51 हजार दीप जलाए गए थे। वर्ष 2022 में राम की पैड़ी पर 15 लाख 76 हजार दीपक जलाए गए।

डल झील में हुआ हादसा

शिकारे में लगी आग से तीन विदेशी पर्यटकों की मौत

■ सभी मृतकों के बांग्लादेशी होने का अनुमान

एजेंसी | श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के लोकप्रिय पर्यटन स्थल डल झील में शनिवार तड़के एक शिकारे (हाउसबोट) में भीषण आग लग जाने से तीन विदेशी पर्यटकों की मौत हो गई। माना जा रहा है कि ये तीनों बांग्लादेश के थे। अधिकारियों ने बताया कि डल झील के घाट संख्या नौ के पास जलकर खाक हुए इस शिकारे से इन पर्यटकों के शव मिले हैं। अधिकारियों के अनुसार, भीषण आग में पांच हाउसबोट और उनसे जुड़ी इतनी ही झोपड़ियां जल गईं। आग लगने की वजह फिलहाल पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाई है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि तड़के उष्मासंबंधी उपकरण में गड़बड़ी की वजह से एक हाउसबोट में आग लग गई। जान गंवाने वालों की पहचान स्थापित करने के लिए उनके डीएनए नमूने लिए गए हैं।

उनके अनुसार हाउसबोट संचालकों द्वारा रखे जा रहे रिकार्ड के मुताबिक माना जा रहा है कि वे बांग्लादेश के थे और उनमें एक महिला थी। अधिकारियों ने बताया कि जान गंवाने वालों के डीएनए का उनके परिवार के सदस्यों के साथ मिलान किया जाएगा और फिर उनके शव उन्हें सौंपे जाएंगे। उन्होंने बताया कि आग सुबह करीब सवा पांच बजे लगी जिसमें करोड़ों रुपये की संपत्ति नष्ट हो गई। स्थानीय लोगों, अग्निशमन कर्मियों और आपात सेवा के कर्मियों की कोशिश से आग पर काबू पाया जा सका। झीलों में चलने वाले हाउसबोट में आग की यह दूसरी बड़ी घटना है। अप्रैल, 2022 में निगीन झील में भयानक आग में सात हाउसबोट खाक हो गए थे लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ था।

जयशंकर ब्रिटेन की पांच दिन की यात्रा पर

नई दिल्ली। देश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को ब्रिटेन की अपनी पांच दिवसीय यात्रा की शुरुआत की जिसका मकसद द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करना है। उम्मीद की जा रही है कि जयशंकर के इस दौरे के दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की अगले कुछ महीनों में होने वाली संभावित भारत यात्रा के संबंध में तैयारियों पर चर्चा की जाएगी।

विदेश मंत्रालय ने बताया, 'विदेश मंत्री एस.जयशंकर 11 से 15 नवंबर तक ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर होंगे। इस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री अपने ब्रिटिश समकक्ष सर जेम्स क्लेवर्ली और अन्य गणमान्य लोगों के साथ मुलाकात करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का लिखा गीत ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामांकित

एजेंसी | मुंबई

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बाजरे पर लिखा गीत ग्रैमी पुरस्कार 2024 के लिए नामंकित किया गया है।पीएम मोदी के भाषण वाले गीत 'एबंडेंस इन मिलेट्स' को 'सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत प्रदर्शन' के तहत ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामंकित किया गया है। भारतीय-अमेरिकी ग्रैमी विजेता गायिका फाल्गुनी और और उनके पति (गायक) गौरव शाह के इस गीत में पीएम मोदी के एक भाषण के कुछ अंश हैं जो उन्होंने इस साल मार्च में ग्लोबल मिलेट्स सम्मेलन

का उद्घाटन करते समय दिया था। ग्रैमी पुरस्कार 2024 के नामांकन में अमेरिकी गायिका-गीतकार एसजेडए का जलवा देखने को मिला है। चार फरवरी को होने वाले पुरस्कार समारोह की नामांकन सूची में महिला कलाकारों का दबदबा देखने को मिला है

'एबंडेंस ऑफ मिलेट्स' सॉन्ग

'एबंडेंस ऑफ मिलेट्स' को अरूज आफताब, विजय अय्यर और शहजाद इस्माइली के 'शैडो फोर्सेज', बर्ना बॉय के 'अलोन', डेविडो के 'फील', सिल्वाना एस्ट्राडा के ट्रैक 'के साथ नोमिनेट किया गया है। बता दें कि साल 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष' के रूप में नामित किया गया है।संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन शासी निकाय के सदस्यों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75 वें सत्र द्वारा इसका समर्थन किया गया।

इंग्लैंड ने पाक को 93 रन से हराया

एजेंसी | कोलकाता

सेमीफाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके गत चैंपियन इंग्लैंड ने आईसीसी वनडे विश्व कप के अपने अंतिम लीग मैच में शनिवार को यहां पाकिस्तान को 93 रन से शिकस्त देकर अपने निराशाजनक अभियान का जीत से अंत करने के साथ ही 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में अपनी जगह सुरक्षित की।

इंग्लैंड ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 337 रन का मजबूत स्कोर बनाया। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 43.3 ओवर में 244 रन बनाकर आउट हो गई। इंग्लैंड ने इस तरह से नौ मैच में छह अंक लेकर अपने अभियान का अंत किया।

वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहा। विश्व कप में शीर्ष आठ में रहने वाली टीमें चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई करेंगी।

डीपफेक मामले में एफआईआर दर्ज

दिल्ली पुलिस ने यूआरएल के लिए मेटा को लिखा पत्र, तेज हुई जांच

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के 'डीप फेक' वीडियो मामले में प्राथमिकी दर्ज की है और सोशल मीडिया कंपनी मेटा को उस अकाउंट का यूआरएल उपलब्ध कराने के लिए पत्र लिखा है, जिससे यह वीडियो साझा किया गया था। एक अधिकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो साझा करने वाले लोगों की जानकारी भी मांगी है। हमने उस खाते की यूआरएल आईडी तक पहुंच हासिल करने के लिए मेटा को लिखा है, जिससे वीडियो बनाया गया था।' मामले में दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की

'इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस यूनिट' में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 465 (जालसाजी) और 469 (प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से जालसाजी) तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 66सी और 66ई के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

क्या होते हैं डीपफेक वीडियो?

डीपफेक वीडियो सिंथेटिक मीडिया होते हैं, जिनमें मौजूद किसी व्यक्ति की तस्वीर या वीडियो को अन्य व्यक्ति की तस्वीर और वीडियो से बदल दिया जाता है। हालांकि, डीपफेक तकनीक कई वर्षों से मौजूद है, लेकिन हाल में यह तेजी से परिष्कृत और सुलभ हो गई है, जिससे इसके दुरुपयोग को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

हम क्या कर सकते हैं?

ओपन-सोर्स जांच (ओएसआईएनटी) विशेषज्ञ एवं प्रशिक्षक इओघन स्वीनी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, । लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है कि नकली सामग्री का निर्माण बड़े पैमाने पर हो रहा है और यह दिन बदिन आसान होता जा रहा है।आप तक बड़े पैमाने पर पहुंचने वाली जानकारी एवं सामग्री अप्रामाणिक है।

कुछ सलाह

- डीपफेक का पता लगाने के लिए कई टूल और उपायों का इस्तेमाल किया जा सकता है, जैसे कि चेहरे के हावभाव, त्वचा की रंगत और प्रकाश व्यवस्था में विसंगतियों की पहचान करना। हालांकि, डीपफेक तेजी से परिष्कृत होते जा रहे हैं, जिससे उन्हें पहचानना अधिक कठिन हो गया है। सोशल मीडिया पर साझा किए जा रहे वीडियो एआई-जनित नकली तस्वीरें या वीडियो हो सकते हैं।
- एआई-जनित टेक्स्ट (लिखित) सामग्री कभी-कभी व्याकरण की दृष्टि से गलत हो सकती है या उसमें अजीब वाक्यांश मौजूद हो सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि एआई सिस्टम को टेक्स्ट के बड़े डेटासेट पर प्रशिक्षित किया जाता है, जिसमें कभी-कभी ही सही व्याकरण या प्राकृतिक भाषा का इस्तेमाल हो सकता है।
- एआई-जनित फोटो और वीडियो में कभी-कभी असमान्य रोशनी, चेहरे के हावभाव या पृष्ठभूमि हो सकती है। ऐसा इसलिए, क्योंकि एआई सिस्टम हमेशा सटीक रूप से यथार्थवादी चित्र और वीडियो उत्पन्न करने में सक्षम नहीं हो सकते।
- एआई-जनित वीडियो अक्सर अलग-अलग क्लिप को जोड़कर बनाए जाते हैं, इसलिए प्रकाश, छाया या पृष्ठभूमि में विसंगतियां हो सकती हैं। व्यक्ति की त्वचा का रंग एक शॉट से दूसरे शॉट में बदल सकता है या छाया अलग-अलग दिशाओं में हो सकती है।
- एआई-जनित वीडियो में मानव गतिविधियों को सटीक रूप से पेश करने में कठिनाई हो सकती है, इसलिए वीडियो में अजीब या असमान्य गतिविधियां नजर आ सकती हैं। वीडियो में व्यक्ति/लोगों का चेहरा विकृत हो सकता है या उनके अंग अजीब तरह से हिलते दिख सकते हैं।

डीपफेक तकनीक : रोक को लेकर बहस तेज

दूसरी ओर इस विवाद ने डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग रोकने और फर्जी वीडियो की पहचान के लिए बेहतर प्रौद्योगिकी विकसित करने की जरूरत को नए सिरे से उजागर किया है।

चार दीवारी के बाजारों की सजावट को टक्कर दे रहे बाहरी मार्केट्स

परकोटे से बाहर आया हवामहल डिज्नी लैंड भी जयपुर की जर्नी पर

बेधड़क | जयपुर

गुलाबी नगरी की दिवाली दुनिया भर में अपनी सजावट, परंपरा और संस्कृति दर्शन के लिए मशहूर है। यही कारण है कि विशेष रूप से देश भर के अन्य राज्यों और शहरों के लोगों के साथ दुनिया के कई कोनों से दिवाली के समय टूरिस्ट यहां होते हैं। इस बार न केवल परकोटे में जबरदस्त डेकोरेशन किया गया है, बल्कि परकोटे से बाहर के बाजारों में भी रंगत बिखेरते हुए कई लाजवाब थीम पर सजावट की गई है। इसमें राजापार्क, मालवीय नगर, एमआई रोड, वैशाली नगर, मानसरोवर, टोंक रोड, न्यू सांगानेर रोड आदि स्थानों पर कहीं डिज्नी लैंड तो कहीं हवामहल बनाया गया है।

अब वैशाली में हवामहल में से रास्ता

परकोटे से बाहर भी हवामहल है, क्योंकि वैशाली नगर में दिवाली डेकोरेशन के लिए हवामहल बनाया गया है। इसमें से होकर ही जयपुराइट्स खरीदारी करने जा रहे हैं। ऐसे में परकोटे में नहीं जा पाने वाले लोगों को भी हवामहल के दर्शन वैशाली नगर में हो रहे हैं।

मुख्य मार्ग पर खिल उठा कमल

जैसे ही टोंक रोड मुख्य मार्ग से जयपुराइट्स और टूरिस्ट गुजर रहे हैं तो उनकी नजर यहां खिले बड़े से कमल के फूल पर पड़ती है तो एक बारगी सब रुक से जाते हैं। यहां दिवाली के स्वागत के लिए कमल खिलाया गया है। इस कमल के सामने हर उम्र के लोग फोटोज क्लिक करा रहे हैं।

जयपुर में आया बुर्ज खलीफा

दुनिया की सबसे बड़ी इमारात देखने पूरी दुनिया के लोग दुबई जाते हैं, लेकिन जयपुर वालो ने शहर में ही बुर्ज खलीफा सजा दिया है। इससे जो दुबई नहीं जा पा रहे हैं उनको जयपुर में ही बुर्ज खलीफा के दर्शन हो रहे हैं।

बच्चों की पसंद डिज्नी लैंड

ऐसे ही शहर में डिज्नी लैंड सजाया गया है और इसको देखकर बच्चे बहुत रोमांचित हो रहे हैं। डिज्नी लैंड खासतौर से बच्चों की पसंदीदा जगह है, जो दिवाली की सजावट में शहर में देखने को मिल रहा है। मालवीय नगर में हुए इस डेकोरेशन पर हर आने-जाने वाले की नजर ठहर रही है।

गोल्ड मेडलिस्ट दिव्यकृति सिंह स्टेट इलेक्शन आइकन नियुक्त

बेधड़क. जयपुर। विधानसभा चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान कराने के लिए राज्य निर्वाचन विभाग विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली हस्तियों को स्टेट इलेक्शन आइकॉन के रूप में नियुक्त कर रहा है। इसी कड़ी में घुड़सवारी में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता दिव्यकृति सिंह को 'स्टेट इलेक्शन आइकन' नियुक्त करने के प्रस्ताव का भारत निर्वाचन आयोग ने अनुमोदन किया। जयपुर निवासी 24 वर्षीय दिव्यकृति ने हाल ही में चीन में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में घुड़सवारी (ड्रेसेज) स्पर्धा के टीम इवेंट में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था। दिव्यकृति दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज से मनोविज्ञान में स्नातक हैं।

दिवाली मेले में झूले, डेकोरेशन और टेटू, बच्चों ने किया एंजॉय

बेधड़क. जयपुर। जवाहर नगर स्थित राइज एंड रन प्री-प्राइमरी स्कूल में दिवाली मेला लगाया। स्कूल डायरेक्टर डॉक्टर भारती खत्री ने बताया कि बच्चों के लिए कई प्रकार के गेम्स गिफ्ट्स प्राइजेज रखे गए। साथ ही बच्चों के आकर्षण के लिए कई प्रकार के झूले, दीपक डेकोरेशन और टेटू खास थे।

जिनानन्द महाराज ने शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में किए दर्शन

बेधड़क. जयपुर। श्रीआदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मासरत आचार्य वसुनन्दी महाराज के शिष्य मुनि जिनानन्द महाराज ने शनिवार को तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्रीशांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन लाभ प्राप्त किए। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में मुनिश्री ने कहा कि पाप से बचना तथा पुण्य में लगना ही धर्म है। इससे पहले मुनिश्री बी-टू-बाई पास से ऋषभ मार्ग होते हुए कोटखावदा हाउस पहुंचे, जहां मुनिश्री के पाद पक्षालन व मंगल आरती की गई। इस मौके पर मुन्ना देवी, दीपिका जैन, कुसुम जैन साखुनियां व नवीन छाबड़ा, धनेश सेठी, अभय लुहाड़िया सहित बड़ी संख्या में जैन बंधु शामिल हुए।

City इवेंट्स

आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों तक पहुंचा सेलिब्रेशन किट, बांटी गई मिठाइयां

बेधड़क. जयपुर। ऐसे बच्चे जो आर्थिक स्थिति से कमजोर होने के कारण दीवाली मनाने में असक्षम हैं, ऐसे बच्चों की दीपावली से पहले शनिवार को मित्राय बी ह्यूमन संगठन की ओर से मिठाइयां बांटी गई। हर साल की तरह संगठन के वॉलंटियर्स कच्ची बस्तियों, अनाथालयों, विकलांग और घुमंतू लोगों तक पहुंचे और मिठाई व दीपावली सेलिब्रेसन किट वितरित किए। इस दौरान संगठन से जुड़े कई प्रशासनिक अधिकारी आईएएस, आईपीएस, आरएएस, आरपीएस अधिकारी इस मुहिम में साथ जुड़े रहे। इस दौरान विनीत शर्मा, डॉ. रश्मि शर्मा, हिमांशु शर्मा, बीपी शर्मा, अभिषेक, शक्ति सिंह सहित अन्य साथी उपस्थित रहे। रविवार को विद्याधर नगर और आस पास की बस्तियों में सेलिब्रेशन किट का वितरण होगा।

साउंड इंजीनियरिंग से विशेषज्ञों ने युवाओं का कराया संवाद

बेधड़क, जयपुर। संगीत साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग, म्यूजिक प्रोग्रामिंग, सोशल मीडिया व अन्य डिजिटल माध्यमों की जानकारी साझा की युवा रोमांचित हो गए। मौका था जयपुर के राजस्थान संगीत संस्थान में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन का, जिसकी शुरुआत प्राचार्य डॉ. अरविंद मेंडोला ने की और फिर तीन दिन कई रोचक बातें सामने आईं। पीजी विभाग गायन व संगीत परिषद की ओर से आयोजित कार्यशाला में युवाओं को "साउंड इंजीनियरिंग" विषय पर विस्तार से प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में रिकॉर्डिस्ट व फिल्म निर्माता अमित ओझा ने प्रस्तुति के दौरान प्रयोग में आने वाले यंत्र और उन पर नियंत्रण की तकनीक को प्रदर्शन से बताया गया। साथ ही संगीत के अतिरिक्त इस क्षेत्र में रोजगार व व्यवसाय की संभावनाओं की ओर ध्यान दिलाया। इस दौरान युवाओं ने भी अपने विचार रखे और विशेषज्ञों से सवाल करते हुए जिज्ञासा शांत की। कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विजयेंद्र गौतम व प्रोफेसर सुनीता ने किया। प्रोफेसर सुनीता ने बताया, कि संगीत परिषद गायन विभाग की ओर से अग्रिम कड़ी में सेमिनार, प्रश्नोत्तरी, विविध प्रस्तुति आदि संगीत के आयोजन किए जाएंगे, जिससे युवाओं में संगीत संबंधी ज्ञान का विस्तार होने के साथ कॅरियर बनाने में सहायक साबित होगा।

रूप चतुर्दशी पर कला के रंग में रंगे जयपुराइट्स

आज आनंद बरसा है संसार में हम करें दीपों से सुस्वागतम...

बेधड़क | जयपुर

गीत और भजन सुनकर छोटी दिवाली और रूप चौदस को जयपुराइट्स कला के रंग में रंगे दिखाई दिए। मौका था नेट थिएट कार्यक्रमों की कड़ी में गायक संजय माहेश्वरी की प्रस्तुति का। उन्होंने मधुर कंठ से गीत और भजन प्रस्तुत कर श्रोताओं को दीपावली के स्वागत का आगाज किया।

राजेंद्र शर्मा ने बताया कि गायक संजय माहेश्वरी ने संगीतकार पं. आलोक भट्ट द्वारा संगीतबद्ध किए भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत तुलसीदास रचित भजन गणपति विघ्न विनाशन हारे से की। इसके बाद उन्होंने मेरे सामने आओ शिव शंभू मुझे दरश दिखाओ, शिव शंभू, शिव-शिव-शिव-शिव नाम सुमिर नर सकल मनोरथ पूरणकारी, धीरे से बहो गंगा मैया उस पार हमें जाना है, कितक दिन हरि सुमिरन बिन खोए (सूरदास) जो सुख होत गोपाल ही गाए (सूरदास) प्रस्तुत कर मंत्र मुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के अंत में दीवाली गीत से जो विशेष रूप से कार्यक्रम के लिए आलोक भट्ट द्वारा रचित और संगीतबद्ध किया गया था सुनाया गया।

तबले पर नवल डांगी, ऑक्टोपैड पर सतीश शर्मा और हारमोनियम पर बृजेश व्यास ने असरदार संगतकार दीपोत्सव कार्यक्रम में रोशनी पैदा कर इस संध्या को सुरमई बना दिया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी कैमरा और लाइट्स मनोज स्वामी, मंच व्यवस्था अंकित शर्मा नोनू और जीवितेश शर्मा की रही।

भट्टारक जी की नसियां में होगा मुख्य आयोजन

250 मंदिरों में मनाया जाएगा भगवान महावीर का निर्वाणोत्सव

बेधड़क | जयपुर

विश्व वंदनीय जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर का निर्वाणोत्सव सोमवार को शहर के 250 से अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों में मनाया जाएगा। इस मौके पर भट्टारकजी की नसियां में राजस्थान जैन सभा जयपुर की ओर से विशेष आयोजन होगा।

राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन व महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि सुबह 7:30 बजे से होने वाले आयोजन में समाजश्रेष्ठी विवेक-रूपा सेठी मुख्य अतिथि होंगे। समाजश्रेष्ठी सुनील-आरती पहाड़िया दीप प्रज्जवलन करेंगे।

निर्वाण लाडू महोत्सव के लिए राकेश छाबड़ा को मुख्य संयोजक व अनिल छाबड़ा को संयोजक बनाया गया है। सोमवार को भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक दिवस व निर्वाणोत्सव होगा और ऐसे में इस वर्ष भी दीपावली के दूसरे दिन निर्वाण लाडू चढ़ाया जाएगा। उत्तर पुराण में आचार्य गुणभद्र ने लिखा है, कि 15 अक्टूबर 527 बीसीई कार्तिक कृष्णा अमावस्या स्वाति नक्षत्र के उदय होने पर भगवान महावीर ने सुप्रभात की शुभ बेला में अघातिया कर्मों को नष्ट कर निर्वाण प्राप्त किया था। उस समय दिव्यात्माओं ने महावीर प्रभू की पूजा की और दीप्तिमान जलती प्रदीप-पंक्तियों के प्रकाश में आकाश तक प्रकाशित करती पावां नगरी सुशोभित हुई।

सम्राट श्रेणिक आदि नरेन्द्रों ने अपनी प्रजा के साथ निर्वाण उत्सव मनाया। उसी समय से महावीर जैनेन्द्र के निर्वाण को मनाया जाने लगा।

जन्म व तप कल्याणक | जैन मंदिरों में गूंजे पद्मप्रभ के जयकारे

विश्व शांति और समृद्धि की कामना के साथ शांतिधारा

बेधड़क | जयपुर

जैन धर्म के छठे तीर्थंकर श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान का जन्म और तप कल्याणक आचार्य चैत्य सागर महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में शनिवार को श्रीदिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में मनाया गया।

इस मौके पर दिन भर अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में धार्मिक आयोजनों की धूम रही। अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन व मानद् मंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी ने बताया कि इस पर्व पर पदमपुरा में सुबह मूलनायक भगवान पद्मप्रभ के जयकारों के बीच अभिषेक किए गए। इसके बाद विश्व में सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हुए मंत्रोच्चार से शांतिधारा की गई। धर्म सभा में आचार्य चैत्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए, जिसमें महाराज ने भगवान पद्मप्रभ के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

पूजा का संगीतमय आयोजन रहा खास

प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि दोपहर में पद्मप्रभ मंडल विधान पूजा का संगीतमय आयोजन किया गया। इस दौरान हेमंत-पुष्पा सोगानी, राज कुमार कोठयारी, जितेन्द्र मोहन जैन सहित सभी इन्द्र-इन्द्राणियों ने भक्ति नृत्य किए तथा अष्ट द्रव्य से अर्घ्य चढ़ाए। इसके बाद शाम को भगवान पद्मप्रभ की महाआरती के बाद 7 बजे से पद्मप्रभ चालीसा का पाठ किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए।

कमल सरोवर का लोकार्पण

इससे पहले सुबह नवनिर्मित भव्य कमल सरोवर का कमेटी पदाधिकारियों द्वारा आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज के सानिध्य में लोकार्पण किया गया।

पदम अमृत कुण्ड का लोकार्पण पुण्यार्जक परिवार देवेन्द्र मोहन-निर्मला जैन, सुरेन्द्र मोहन, नरेन्द्र, राजेन्द्र, जितेन्द्र मोहन कासलीवाल मालपुरा वालों ने किया। जन्म व तप कल्याणक के मौके पर शहर के विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किए गए।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, रविवार, 12 नवंबर, 2023

10

श्रद्धा और प्रेम के साथ, जीवन को पर्वत से भी ऊंचा बना सकते हैं।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

अस्पताल के जनरेटर का ईंधन खत्म, पांच मरीजों ने तोड़ा दम

गाजा के सबसे बड़े अस्पताल को इजराइली सेना ने घेरा

एजेंसी | दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)

इजराइल के सैनिकों ने गाजा के सबसे बड़े अस्पताल को घेराबंदी कर दी है और चिकित्सकों ने कहा है कि वहां के आखिरी जनरेटर का ईंधन खत्म होने के बाद से समय से पहले जन्मे एक शिशु सहित पांच मरीजों की मौत हो गई है।

इजराइल ने शिफा अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबू सेल्मिया ने कहा कि उत्तरी गाजा के युद्ध क्षेत्र में शिफा और अन्य अस्पतालों के पास लड़ाई तेज हो गई है और जरूरी चीजों की आपूर्ति खत्म हो गई है। चिकित्सा उपकरण बंद हो गए हैं। मरीजों, विशेष रूप से गहन देखभाल में रहने वाले लोगों की मृत्यु होने लगी है। इजराइली सैनिक अस्पताल के बाहर या अंदर किसी को भी गोली मार रहे हैं।

अस्पतालों में शरण लिए हुए हैं पांच लाख से ज्यादा लोग

पांच लाख से ज्यादा लोग दक्षिण के अस्पतालों और संयुक्त राष्ट्र के स्कूलों से शिविरों में तब्दील हुए इमारतों में खचाखच भरे हुए हैं। कूड़े के ढेर और उन पर मंडराते हुए मच्छर-मक्खियों ने इन स्कूलों को बीमारियों का स्थल बना दिया। युद्ध की शुरुआत से ही मदद के लिए सैकड़ों की संख्या में ट्रकों ने दक्षिणी रफा के माध्यम से गाजा में प्रवेश किया, लेकिन राहत संगठनों का कहना है कि यह मदद समुद्र में एक बूंद के बराबर है। रोटी और पानी की तलाश में घंटों-घंटों कतारों में खड़े रहना अब रोजाना का किस्सा हो गया है।

खचाखच भरे शिविरों में रोटी के लिए झगड़े

यरूशलम। इजराइल और फिलिस्तीन के चरमपंथी संगठन हमास के बीच जारी युद्ध के मध्य हालात ये हैं कि लोग रोटी लेने के लिए कतारों में झगड़ रहे हैं। खारे पानी की एक-एक बाल्टी लेने के लिए घंटों इंतजार कर रहे हैं। साथ ही खचाखच भरे शिविरों में खुजली, दस्त और सांस संबंधी संक्रमण से जूझ रहे हैं। इजराइल-हमास के बीच युद्ध के दूसरे महीने में अब तक गाजा में 11,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही यहां फंसे हुए लोगों को बिना बिजली और पानी के जीवित रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं आतंकी

इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि नागरिकों को होने वाले किसी भी नुकसान की जिम्मेदारी हमास की है। उन्होंने लंबे समय से लगाए जा रहे इन आरोपों को दोहराया कि आतंकवादी समूह गाजा में नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल करता है। इजराइल ने नागरिकों से युद्ध क्षेत्र छोड़ने का आग्रह किया है, हमास उन्हें जाने से रोकने के लिए हर संभव कोशिश कर रहा है। नेतन्याहू का यह बयान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा संघर्ष विराम के लिए दबाव डालने और अन्य नेताओं से उनके आह्वान में शामिल होने के बाद आया है।

निकासी के लिए युद्ध में संक्षिप्त विराम

नागरिकों को निकलने में सुविधा देने के लिए इजराइल हर दिन दक्षिण की ओर जाने वाली मुख्य सड़क को कई घंटों के लिए खोल रहा है। शनिवार को सेना ने पहली बार निकासी में सुविधा के लिए युद्ध में एक संक्षिप्त विराम की घोषणा की। इजराइल अब तक रोजाना केवल कुछ अवधि के लिए सहमत हुआ है, जिस दौरान नागरिक उत्तरी गाजा में जमीनी युद्ध क्षेत्र से निकलकर पैदल ही दक्षिण की ओर जा सकते हैं। शनिवार को सेना ने एक नई निकासी की घोषणा की, जिसमें कहा गया कि नागरिक केंद्रीय सड़क और तटीय सड़क का उपयोग कर सकते हैं। उत्तरी गाजा में अभी भी हजारों लोग हैं, जिनमें से कई अस्पतालों और भीड़भाड़ वाले संयुक्त राष्ट्र केंद्रों में शरण लिए हुए हैं।

भूकंप से जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं

आइसलैंड में 14 घंटे के अंदर आए भूकंप के 800 झटके

एजेंसी | रेक्जाविक

आइसलैंड के एक प्रांत में 14 घंटे के अंदर ही 800 बार भूकंप के झटके लगने से लोगों में अफरा-तफरी मच गई। वहीं सरकार ने यहां इमर्जेंसी का ऐलान कर दिया है। बता दें कि दुनियाभर में अकसर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं, लेकिन आइसलैंड में भूकंप के झटकों ने रिकॉर्ड कायम कर दिया है।

आइसलैंड पर्यटन के लिए प्रसिद्ध देश है। भूकंप की वजह से इसे 16 नवंबर तक के लिए बंद कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक रेक्जनेस प्रायद्वीपीय क्षेत्र में 14 घंटे के दौरान ही 800 से ज्यादा भूकंप के झटके महसूस किए गए। इन भूकंप की तीव्रता 4 के आसपास थी। भूकंप के इन झटकों से जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

खिड़कियां और घरों के सामान टूटे

प्रशासन ने कहा कि फिलहाल जो भूकंप आ रहे हैं, इनसे भी ज्यादा बड़े भूकंप आ सकते हैं। आईएमओ ने इसको लेकर चेतावनी जारी की है। भूकंप के कारण देश के दक्षिणी हिस्से में खिड़कियां और घर में रखी चीजें भी टूट गईं। आईएमओ के मुताबिक सबसे बड़ा झटका 5.2 मैग्नीट्यूट का था।

आइसलैंड में भूकंप आने की वजह

आइसलैंड में अकसर ज्वालामुखी गतिविधियां होती रहती हैं। यहां कई इलाकों में लावा और कोन्स मौजूद हैं। वहीं आइसलैंड का रेक्जनेस प्लांत अटलांटिक सागर के पास मौजूद है। इस क्षेत्र में ज्वालामुखी सक्रिय होने का खतरा बना ही रहता है। यहां कई घाटियां हैं जिनमें बड़े बड़े दरार हैं।

नवाज की जब्त संपत्ति लौटाने का आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को यहां की जवाबदेही अदालत ने अस्थायी राहत देते हुए अधिकारियों को भ्रष्टाचार के मामले में 2020 में जब्त की गईं उनकी सभी चल-अचल संपत्ति लौटाने का आदेश दिया। इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद बशीर ने शुक्रवार को पीएमएल-एन के नेता शरीफ (73) के खिलाफ तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में सुनवाई की। नवाज शरीफ 21 अक्टूबर को साढ़े चार साल के स्व निर्वासन के बाद स्वदेश लौटे। जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश बशीर को सूचित किया गया कि चूंकी शरीफ ने आत्मसमर्पण कर दिया है और उनको गिरफ्तार करने के लिए जारी वारंट को रद्द कर दिया गया है, इसलिए उनकी संपत्ति कुर्क करने के आदेश को वापस लिया जा सकता है।

अमेरिका के एफडीए ने 'इक्स्चिक' को दी मंजूरी

दुनिया को मिला चिकनगुनिया का टीका

एजेंसी | न्यूयॉर्क

दुनिया के लिए खुश खबरी है कि चिकनगुनिया का पहला टीका मिल गया है। अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने इस टीके 'इक्स्चिक' को मंजूरी दे दी है। 18 साल से ज्यादा के उम्र के लोगों के लिए इस टीके को मंजूरी मिली है। एफडीए ने कहा है कि 18 साल से ऊपर की उम्र के लोगों को चिकनगुनिया का खतरा ज्यादा होता है। इक्स्चिक नाम के इस टीके को 18 साल या उससे अधिक उम्र के उन लोगों के लिए अप्रूव किया गया है। दरअसल, ये एक ऐसी बीमारी की रोकथाम का काम करेगी, जिसका उपचार अभी पूरी तरह नहीं हो सकता है। खास बात यह है कि इस टीके का सफल परीक्षण भी किया जा चुका है। जिन लोगों पर टेस्ट हुआ वे पूरी तरह से स्वस्थ हैं।

इंजेक्शन के जरिए दी जाएगी वैक्सीन

इक्स्चिक वैक्सीन यूरोप की वेलनेवा कंपनी बनाएगी और इसे इंजेक्शन के जरिए दिया जाएगा। इसकी एक डोज ही दी जाएगी। इस वैक्सीन को उत्तरी अमेरिका में दो क्लिनिकल स्टडीज के बाद तैयार किया गया है। एक स्टडी में 18 साल से ज्यादा उम्र के 3,500 लोगों को इस वैक्सीन की खुराक दी गई। दूसरे अध्ययन में करीब 1,000 लोगों को टीका लगाया गया। टीका लेने वालों को साइड इफेक्ट के तौर पर सिरदर्द, थकान, मांसपेशियों में दर्द, जोड़ों में दर्द, बुखार जैसी परेशानी हुई।

परीक्षण में प्रतिक्रियाएं

परीक्षण के दौरान 1.6% लोगों को ही गंभीर प्रतिक्रियाएं भी दर्ज की गई, लेकिन वे ठीक हो गए। इनमें से केवल दो को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ी थी, वे भी पूरी तरह से स्वस्थ हैं। हालांकि वैक्सीन लेने वाले कुछ लोगों में लंबे समय तक चिकनगुनिया जैसी प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं रहीं, जो कम से कम 30 दिनों तक रहीं। एफडीए का कहना है कि दुनिया भर में इस बीमारी का प्रसार बढ़ रहा है। आंकड़ों के मुताबिक ब्राजील में इस साल अब तक चिकनगुनिया के सबसे अधिक 2,18,613 मामले सामने आए हैं। भारत समेत दूसरे देशों में भी इसके मामले लगातार देखे गए हैं।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।